सुविचार

रिश्तों की कदर भी पैसों की तरह ही करनी चाहिए क्योंकि दोनों को कमाना मुश्किल है पर गँवाना आसान।

प्रथम न्यूज

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

PRATHAM NEWS

Website: www.prathamnews.in

email:- dainikprathamnews@gmail.com

Pratham News

@dainikprathamnews

वैभव सूर्यवंशी पर इंग्लैंड में लगा अनोखा नियम! टीम इंडिया के साथ शेयर नहीं कर पाएंगे ड्रेसिंग रूम... » पृष्ठ 7 पर

जालंधर, वर्ष:16 अंक : 174 | दिनांक : वीरवार, 25 जून 2026 | पन्ने- 10 | मूल्य: ₹ 2.00/- | RNI No I PUNHIN/2010/36540

कोलकाता में निर्माणाधीन गोदाम ढही

5 की मौत :20 को बचाया

रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए आर्मी तैनात, राहत-बचाव अभियान जारी, मलबे में 60-70 लोगों के फंसे होने की आशंका

» प्रथम न्यूज । कोलकाता

24 जून (ब्यूरो)

महानगर के तारातल्ला इलाके में बुधवार दोपहर एक बड़ा हादसा हो गया, जहां एक निर्माणाधीन गोदाम का शेड ताश के पत्तों की तरह भरभराकर ढह गया। हादसे के वक्त वहां करीब 50 से 60 मजदूर काम कर रहे थे, जो पलक झपकते ही मलबे के विशाल ढेर के नीचे फंस गए। इस हादसे में 5 मजदूरों की मौत हो गई है। सीएम शुभेंदु भी घटना स्थल पर पहुंच गए हैं।

घटना की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय प्रशासन के साथ-साथ सेना को भी रेस्क्यू आपरेशन में उतार दिया गया है। चश्मदीदों के मुताबिक, गोदाम में निर्माण का काम चल रहा था, तभी अचानक पूरा ढांचा ढह गया।

चीख-पुकार सुनकर दौड़े स्थानीय लोगों ने तुरंत राहत कार्य शुरू किया। सूचना मिलते ही पुलिस, दमकल विभाग और आपदा प्रबंधन की टीमें मौके पर पहुंच गईं। मलबे से अब तक 6-7 मजदूरों को निकालकर अस्पताल पहुंचाया जा चुका है, जिनमें से कुछ की हालत बेहद नाजुक है। लोहे के भारी-भरकम बीम को काटने के लिए गैस कटर और मलबे को हटाने के लिए क्रेन की मदद ली जा रही है।

मलबे के नीचे अभी भी कई मजदूर

मिली जानकारी के अनुसार मलबे के नीचे से अभी भी दबे हुए मजदूरों की दर्दनाक चीखें सुनाई दे रही हैं, जिससे अपनों की तलाश में जुटे लोगों का कलेजा कांप उठा है। राज्य सरकार ने स्थिति पर नजर रखने के लिए नवान्न में कंट्रोल रूम खोल दिया है।

राज्य सरकार ने नवन्न में खोला कंट्रोल रूम

राज्य सरकार ने स्थिति पर नजर रखने के लिए नवान्न में कंट्रोल रूम खोल दिया है। जिसके नंबर 1070, 8697981070, 033-22143526/22535185 हैं। इसके अलावा मौके पर पहुंचे राज्य के मंत्री इंद्रनील खां और भाजपा नेता राकेश सिंह ने कहा कि फिलहाल प्राथमिकता जिंदगियां बचाना है। वहीं आशंका जताई जा रही है कि मंगलवार को हुई भारी बारिश के कारण निर्माणाधीन ढांचा कमजोर हो गया था, हालांकि सुरक्षा मानकों में लापरवाही को लेकर भी गंभीर सवाल उठने शुरू हो गए हैं।

संक्षिप्त न्यूज

भारतीय पासपोर्ट नागरिकता का सबूत नहीं, यह महज ट्रैवल डॉक्यूमेंट

नई दिल्ली (ब्यूरो)– भारतीय पासपोर्ट देश की नागरिकता साबित करने का दस्तावेज नहीं है, यह पूरी तरह से ट्रैवल डॉक्युमेंट है। नागरिकता के सबूत और सरकारी फायदों के लिए एलिजिबिलिटी के तौर पर पासपोर्ट के इस्तेमाल को लेकर लोगों में बढ़ते कन्फ्यूजन के बीच यह बयान विदेश मंत्रालय ने दिया है। यह बयान भारत के तेजी से बढ़ते पासपोर्ट और मोबिलिटी इकोसिस्टम पर एक डिटेल्ड ब्रीफिंग के दौरान आया, जिसमें पासपोर्ट को ज्यादा आसान, सुरक्षित और ग्लोबली एक्सेप्टेबल बनाने के मकसद से बड़े सुधारों पर जोर दिया गया, साथ ही लाखों भारतीयों के लिए विदेश में नौकरी और इंटरनेशनल ट्रैवल को आसान बनाया गया। अधिकारियों ने जोर देकर कहा कि पासपोर्ट भारतीय नागरिकों को जारी किए जाते हैं, लेकिन डॉक्यूमेंट का मुख्य मकसद इंटरनेशनल ट्रैवल को मुमकिन बनाना और विदेश में पहचान बनाना है। यह सफाई ऐसे समय में जरूरी हो जाती है जब पासपोर्ट का इस्तेमाल अलग-अलग एडमिनिस्ट्रेटिव और वेलफेयर से जुड़े कामों के लिए तेजी से किया जा रहा है।

राफेल पर एक बार फिर बेनकाब हुआ पाकिस्तान

IAF के दस्तावेज ने खोल दी पोल, भारत के सभी 36 राफेल सुरक्षित

नई दिल्ली (ब्यूरो): भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर के समय पाकिस्तान ने झूठ का जो बुलबुला बनाया था, वह फूट गया है।

भारतीय वायुसेना के एक दस्तावेज से पाकिस्तान का वह दावा झूठा साबित हो गया है, जिसमें उसने कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर के जवाब में उसने राफेल जेट को मार गिराया था। इस दस्तावेज से पता चलता है कि फ्रांस से खरीदे गए सभी राफेल सुरक्षित हैं और वायुसेना ने इनके मेंटेनेंस और सपोर्ट के लिए योजना बनाई है।

दस्तावेज के मतुाबिक, एयर हेडक्वार्टर में डायरेक्टोरेट ऑफ इंजीनियरिंग (राफेल) की ओर से 15 जून को रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल यानी RFP जारी किया था, जिसमें इंजन बनाने वाली फ्रेंच कंपनी सैफ्रन एयरक्राफ्ट इंजनस से 18 सितंबर 2026 के बाद ब्रिज सपोर्ट कॉन्ट्रैक्ट के लिए बोलियां मांगी गई हैं। वायुसेना के प्रपोजल में साफ तौर पर कहा गया है कि IAF के पास 36 राफेल विमान हैं और इसी संख्या के आधार पर मेंटेनेंस, सपोर्ट और फ्लाइंग-आवर का हिसाब-किताब किया जा रहा है।

ईरान ने खामेनेई के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए पीएम मोदी को भेजा बुलावा

28 फरवरी को हुई थी खामेनेई की मौत

नई दिल्ली (ब्यूरो)– ईरान के राष्टपति मसूद पेदेशकियन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। सूत्रों के अनुसार, अंतिम संस्कार समारोह 5 जुलाई से 9 जुलाई कर आयोजित किए जाएंगे।

हालांकि, पीएम मोदी को मिले निमंत्रण के बारे में भारत की ओर से कोई पुष्टि नहीं हुई है।

तीन दशकों तक ईरान पर शासन करने वाले खामेनेई की मौत 28 फरवरी को हुई थी, जो तेहरान पर अमेरिका और इजरायल के बड़े हवाई हमलों का पहला दिन था।

राजनयिक सूत्रों ने बताया कि राष्टपति पेजेशकियान ने भारतीय प्रधानमंत्री को अंतिम संस्कार समारोह के लिए आमंत्रित किया है। अंतिम संस्कार तेहरान और कोम में 5,6 और 7 जुलाई को आयोजित किया जाएगा। अंतिम समारोह 9 जुलाई को मशहद शहर में होगा।

सिंधु कुंभ भारत की सांस्कृतिक एकता और राष्ट्रीय अखंडता का जीवंत प्रतीक : राज्यपाल कविंद्र गुप्ता

पवित्र सिंधु नदी का विधि-विधान से किया पूजन, राष्ट्र की सुख-समृद्धि के लिए की प्रार्थना

» प्रथम न्यूज । लेह

24 जून (ब्यूरो)

राज्यपाल श्री कविंद्र गुप्ता ने आज लेह स्थित पवित्र सिंधु घाट पर सिंधु दर्शन यात्रा समिति द्वारा आयोजित प्रथम सिंधु कुंभ में भाग लिया। पावन सिंधु नदी के तट पर आयोजित इस ऐतिहासिक आयोजन में देश के विभिन्न राज्यों से आए श्रद्धालुओं, संत-महात्माओं और गणमान्य व्यक्तियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

इस अवसर पर राज्यपाल ने वैदिक मंत्रोच्चार एवं पारंपरिक विधि-विधान के साथ पवित्र सिंधु नदी का पूजन-अर्चन किया तथा राष्ट्र और देशवासियों की सुख, शांति, समृद्धि एवं कल्याण के लिए प्रार्थना की। आध्यात्मिक वातावरण में सम्पन्न इस धार्मिक अनुष्ठान ने आयोजन को विशेष गरिमा प्रदान की। सभा को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने देश के विभिन्न भागों से आए श्रद्धालुओं और यात्रियों की उत्साहपूर्ण उपस्थिति पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि सिंधु कुंभ भारत की सांस्कृतिक एकता, आध्यात्मिक चेतना और राष्ट्रीय अखंडता का जीवंत प्रतीक है तथा यह 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को साकार रूप प्रदान करता है।

श्री कविंद्र गुप्ता ने कहा कि पवित्र सिंधु नदी भारत की प्राचीन सभ्यता, गौरवशाली विरासत और सतत सांस्कृतिक प्रवाह की साक्षी रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह दिव्य आयोजन समाज में आपसी सद्भाव, राष्ट्रभक्ति और सांस्कृतिक गौरव की भावना को और अधिक सुदृढ़ करेगा तथा युवा पीढ़ी को अपनी जड़ों और सांस्कृतिक मूल्यों से जुड़ने की प्रेरणा देगा।

लद्दाख के उपराज्यपाल के रूप में अपने पूर्व कार्यकाल का स्मरण करते हुए राज्यपाल ने क्षेत्र, यहां के लोगों और इसकी समृद्ध आध्यात्मिक विरासत से अपने विशेष जुड़ाव का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि सिंधु कुंभ जैसे आयोजन देश के विभिन्न हिस्सों के लोगों को लद्दाख की सांस्कृतिक एवं सभ्यतागत धरोहर से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं तथा राष्ट्रीय एकता और भावनात्मक एकीकरण को सुदृढ़ करते हैं। राज्यपाल ने प्रथम सिंधु कुंभ के सफल आयोजन के लिए सिंधु दर्शन यात्रा समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों की सराहना की। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह आयोजन आने वाले वर्षों में भारत की साझा सांस्कृतिक विरासत के उत्सव के रूप में एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय मंच के रूप में स्थापित होगा।

कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, प्रार्थना सभाएं तथा विभिन्न राज्यों से आए श्रद्धालुओं, संत-महात्माओं एवं गणमान्य व्यक्तियों की सहभागिता रही।

इस अवसर पर राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी, सिंधु दर्शन यात्रा समिति के मुख्य संरक्षक श्री इन्द्रेश कुमार, त्रिपुरा विधानसभा के उपाध्यक्ष श्री राम प्रसाद पॉल, स्वामी यतीन्द्रानंद गिरि, जम्मू से विधायक श्री विक्रम रंधावा तथा सिंधु दर्शन यात्रा समिति के अनेक सदस्य उपस्थित थे।

पंजाब के CM भगवंत मान वीडियो विवाद में बड़ा एक्शन

गुरुग्राम से 2 गिरफ्तार, 10 लाख में बनी थी फर्जी रिपोर्ट

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

24 जून (एएम नाथ)

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान से जुड़े एक विवादित वीडियो मामले में नई जानकारी सामने आई है। हरियाणा के गुरुग्राम में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि मामले में डिजिटल सबूतों के साथ छेड़छाड़ करने की कोशिश हुई है, जिसमें एक फर्जी फोरेंसिक और साइबर एनालिसिस रिपोर्ट तैयार की जा रही थी। लेकिन उससे पहले ही गुरुग्राम की सेक्टर-29 थाने की पुलिस ने मामले में बड़ा एक्शन लिया है। हरियाणा पुलिस ने कथित तौर पर वीडियो को फर्जी बताने के लिए एक रिपोर्ट तैयार करने वाले लोगों के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज की है।

10 लाख रुपए की रिश्वत देने की बात : दरअसल, पंजाब के सीएम भगवंत मान से जुड़ा एक कथित वीडियो वायरल हुआ था। जिसमें पंथ विरोधी काम होने की बात सामने आई थी। वीडियो सामने आने के बाद पंजाब की सियासत में हड़कंप मच गया था। सीएम मान ने इस वीडियो को फर्जी बताया और वीडियो में दिख रहे आदमी को उनका हमशक्ल बताया था। लेकिन अब इस मामले में नया मोड़ सामने आया है। हरियाणा गुरुग्राम पुलिस ने 23 जून को अंकित और अरुण नाम के दो लड़कों को गिरफ्तार किया है। जो हरियाणा के ही रहने वाले बताए जा रहे हैं, इन पर आरोप है कि दोनों ने वीडियो को क्लीन चिट दिलाने के लिए एक डिजिटल फॉरेंसिक एक्सपर्ट को 10 लाख रुपए की रिश्वत दी थी। जिसमें वीडियो को फेक बताने और फर्जी फोरेंसिक रिपोर्ट तैयार करने की साजिश रची थी। जिसके के बाद यह मामला फिर से चर्चा में है।

पूछताछ में जुटी गुरुग्राम पुलिस

घटना के बाद गुरुग्राम पुलिस पूछताछ में जुटी है। क्योंकि इसमें अन्य लोग भी शामिल हो सकते हैं। जबकि रिपोर्ट तैयार करने वाली लैब की वैधता की भी जांच हो रही है। पुलिस पैसों के लेन-देन का पता लगाने और डिजिटल सबूतों के साथ छेड़छाड़, मामले से जुड़े इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, दस्तावेज़ और अन्य चीजों की भी गहन तरीके से जांच में जुटी है। गुरुग्राम पुलिस का कहना है कि अन्य संदिग्धों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने की कोशिशें जारी हैं। जरूरत पड़ने पर दूसरे राज्यों की एजेंसियों और टेक्निकल एक्सपर्ट्स की मदद भी ली जा सकती है। पुलिस ने कहा कि न्यायिक प्रक्रियाओं को प्रभावित करने, डिजिटल सबूतों के साथ छेड़छाड़ करने या फोरेंसिक जांच की विश्वसनीयता से समझौता करने की किसी भी कोशिश पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अकाली दल ने उठाए सवाल

दो लोगों की गिरफ्तारी के बाद अकाली दल के नेता बिक्रमजीत सिंह मजीठिया ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग पर पोस्ट करते हुए कॉपी शेयर की है। जिसमें आरोप लगाया है कि पंजाब पुलिस के कर्मचारी इस फर्जी रिपोर्ट को तैयार करने में शामिल थे। उन्होंने एक व्हाट्सएप्प चैट भी शेयर की है। जिसमें फर्जी रिपोर्ट तैयार करने का दावा किया गया है। वहीं अकाल तख्त ने एक बयान में कहा %इतिहास गवाह है कि जिन लोगों ने श्री अकाल तख्त साहिब को चुनौती दी, उन्हें हमेशा बुरे नतीजों का सामना करना पड़ा है।

लंदन हाईकोर्ट से नीरव मोदी को बड़ा झटका

बैंक ऑफ इंडिया ने 100 करोड़ रुपये का केस जीता

कोर्ट ने नीरव मोदी की दलीलों को किया खारिज

» प्रथम न्यूज । लंदन

24 जून (एजेंसी)

भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी को ब्रिटेन की अदालत से बड़ा झटका लगा है। लंदन हाई कोर्ट ने बैंक ऑफ इंडिया के पक्ष में फैसला सुनाते हुए नीरव को बैंक का 10.7 मिलियन डॉलर यानी करीब 100 करोड़ रुपये से ज्यादा का कर्ज चुकाने के लिए जिम्मेदार बताया है। लंदन कमर्शियल कोर्ट के जज साइमन टिंकलर ने फैसला सुनाते हुए कहा कि नीरव मोदी ने बैंक ऑफ इंडिया से लिए गए कर्ज की व्यक्तिगत गारंटी दी थी और अब वह इस रकम की अदायगी के लिए कानूनी रूप से जिम्मेदार है।

कोर्ट ने कहा कि नीरव मोदी पर मुख्य रकम के तौर पर करीब 4.1 मिलियन डॉलर यानी लगभग 38.9 करोड़ रुपये की देनदारी बनती है।

इसके अलावा बैंक की ओर से तय नियमों के हिसाब से ब्याज की रकम भी इसमें जोड़ी जाएगी। नीरव मोदी ने अदालत में बैंक के दावे को चुनौती दी थी। उसके वकीलों ने तर्क दिया कि बैंक की ओर से दी गई व्यक्तिगत गारंटी लागू नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि बैंक ने सही तरीके से मांग नहीं की और कर्ज खत्म करने का आधार भी पर्याप्त नहीं था। नीरव मोदी ने यह भी दावा किया कि उसे अप्रैल 2018 और अक्टूबर 2025 में भेजे गए नोटिस नहीं मिले क्योंकि उस समय वह भारत में नहीं था।

लेकिन जज साइमन टिंकलर ने नीरव मोदी की दलीलों को खारिज करते हुए कहा कि बैंक के नोटिस सही तरीके से पहुंचाए गए थे।

कोर्ट ने कहा कि अक्टूबर 2025 का नोटिस उस जेल के पते पर भी भेजा गया था जहां नीरव मोदी रह रहा था। इसके अलावा अदालत ने यह भी माना कि साल 2019 में नीरव मोदी ने अप्रैल 2018 वाले नोटिस की कॉपी अपने वकीलों को दी थी, जिससे साबित होता है कि उसे इसकी जानकारी थी।

जज ने अपने फैसले में कहा कि फरवरी 2018 से यह साफ हो गया था कि नीरव मोदी और फायरस्टार ग्रुप की कंपनियों की आर्थिक स्थिति पर गंभीर असर पड़ा है। कोर्ट ने नीरव मोदी के एक ईमेल का भी जिक्र किया जिसमें उसने बैंक को बताया था कि मीडिया में खबरें आने के बाद कंपनी के कामकाज पर असर पड़ा और कंपनियां अपने बकाये का भुगतान करने की स्थिति में नहीं रहीं।

कश्मीर हमारा था, है और हमेशा रहेगा

UN के मंच से भारत ने पाकिस्तान को फिर लताड़ा

नई दिल्ली (ब्यूरो)– भारत ने संयुक्त राष्ट्र के मंच से एक बार फिर पाकिस्तान को लताड़ लगा दी। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) की बैठक में भारत ने पाकिस्तान की टिप्पणियों का कड़ा विरोध किया। साथ ही, भारत ने हृस्ष्ट के पुराने हो चुके आदेशों और मध्यस्थता के तरीकों की समीक्षा करने की बात भी कही, क्योंकि वे आज के समय के हिसाब से सही नहीं है। UNSC की एरिया फॉर्मूला बैठक में संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पर्वथानेनी हरीश ने बात रखी। इस बैठक की अध्यक्षता चीन और पाकिस्तान कर रहे थे। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र चार्टर के चैप्टर VI और VII के तहत अपनाए गए प्रस्तावों के बीच अंतर बताया और कहा कि सुरक्षा परिषद के सभी आदेशों को हमेशा के लिए प्रासंगिक नहीं माना जाना चाहिए। भारत ने इस मंच का इस्तेमाल करते हुए जोर दिया कि प्रस्तावों का स्वरूप और उद्देश्य इस बात पर निर्भर करता है कि उन्हें चार्टर के किस चैप्टर के तहत अपनाया गया है।

राजदूत हरीश ने बताया कि चैप्टर VII के प्रस्ताव शांति के लिए खतरों, शांति भंग होने और आक्रामकता की घटनाओं से संबंधित होते हैं। इनमें अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बहाल करने के लिए ठोस कदम उठाने का अधिकार दिया जाता है उन्होंने कहा कि ऐसे उपायों को लागू न करने से सुरक्षा की स्थिति तुरंत बिगड़ सकती है और बहुपक्षवाद और अंतरराष्ट्रीय कानून के सिद्धांतों को नुकसान पहुंच सकता है।

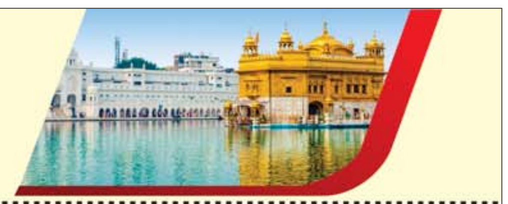

संक्षिप्त न्यूज

जालंधर में शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान पूर्व मंत्री मनोरंजन

कालिया की बिगड़ी तबीयत, अस्पताल में भर्ती

ब्यूरो प्रथम न्यूज। जालंधर

पंजाब के जिला जालंधर में गुरु नानकपुरा फाटक पर बनने वाले आरओबी निर्माण को लेकर शिलान्यास समारोह के दौरान पूर्व मंत्री मनोरंजन कालिया की तबीयत बिगड़ गई। वह अचानक चक्कर खाकर जमीन पर गिर गए।

आनन-फानन में उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। गर्मी की वजह से चक्कर खाकर गिरे थे और मौके पर डॉक्टर मुकेश वालिया ने माउथ ब्रीदिंग दी। बताया जा रहा है कि उन्हें एक दिन पहले से बुखार था। केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत बिट्टू मौके पर पहुंचे।

जीरकपुर में महिला से कथित गैंगरेप मामला, जांच पंजाब पुलिस को सौंपी गई

जीरकपुर (पुनीत महाजन)- मोहाली के जीरकपुर में एक महिला के साथ कथित गैंगरेप का मामला सामने आया है। आरोप है कि कुछ लोगों ने महिला को उसके पति को जेल से बाहर निकलवाने का झांसा दिया और अदालतों में अपनी अच्छी पकड़ होने का दावा कर उसका विश्वास हासिल किया। पीड़िता मूल रूप से उत्तर प्रदेश के अमरोहा की रहने वाली है और जीरकपुर में एक निजी कंपनी में काम करती थी। वह मोहाली के सिंहपुरा गांव स्थित माया गार्डन में रहती थी। रिपोर्ट्स के अनुसार, घटना के समय महिला गर्भवती थी।

मामले की शुरुआती जांच अमरोहा पुलिस ने की थी। हालांकि, घटनास्थल जीरकपुर होने के कारण केस को पंजाब पुलिस को सौंप दिया गया है। अब जीरकपुर पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं। पुलिस का कहना है कि मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पीड़िता को न्याय दिलाने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग भी उठ रही है।

पाकिस्तान जा पहुंचा दिल्ली से अमृतसर आ रहा एयर इंडिया का विमान

चेतावनी मिलने पर लिया यू टर्न

अमृतसर(साहब दयाल)- टाटा समूह की विमान सेवा कंपनी एयर इंडिया का एक विमान मंगलवार रात गलती से पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र में प्रवेश कर गया, हालांकि इसका एहसास होते ही वह तुरंत वापस भारतीय सीमा में लौट आया। सूत्रों ने बताया कि उड़ान संख्या एआई-479 दिल्ली से अमृतसर पहुंची थी। उस समय अमृतसर हवाई अड्डे पर काफी ट्रैफिक था, इसलिए उतरने के लिए इंतजार कर रही सभी उड़ानों से 'होल्ड करने' के लिए कहा गया था। ऐसी स्थिति में विमान आसपास के इलाके में ही चक्कर लगाते हैं। इसी क्रम में एयर इंडिया की यह उड़ान कुछ देर के लिए पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र में प्रवेश कर गयी।

सूत्रों का कहना है कि चालक दल के सदस्यों को इसका एहसास होते ही उन्होंने विमान को वापस भारतीय सीमा की तरफ मोड़ लिया। उन्होंने कहा कि अमृतसर हवाई अड्डा पाकिस्तानी सीमा के काफी करीब है, और कई बार गलती से ऐसा हो जाता है। उल्लेखनीय है कि दोनों देशों ने एक-दूसरे की एयरलाइंस के लिए अपने हवाई क्षेत्र बंद कर रखे हैं। इसके बावजूद, खराब मौसम या इस तरह की किसी आपात स्थिति में भारत पाकिस्तानी विमानों को अपने हवाई क्षेत्र में प्रवेश करने की अनुमति देता रहा है। इसी महीने फ्लाई जिन्ना एयरलाइंस और मई में पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस की एक-एक उड़ान को भारतीय सीमा में प्रवेश की अनुमति दी गई थी।

आम आदमी पार्टी ने नगर निगम चुनावों के लिए जारी की उम्मीदवारों की लिस्ट

होशियारपुर (ब्यूरो)- आम आदमी पार्टी (AAP) ने पंजाब के होशियारपुर नगर निगम चुनावों को लेकर बड़ा राजनीतिक कदम उठाते हुए विभिन्न वार्डों के लिए अपने उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है।

इस घोषणा के साथ ही शहर में चुनावी सरगर्मी तेज हो गई है। आम आदमी पार्टी (AAP) के इस कदम के बाद अब अन्य पार्टियों द्वारा भी जल्द ही अपनी सूची जारी किए जाने की संभावना है, जिससे चुनावी मुकाबला और भी कड़ा हो जाएगा।

पंजाब स्कूली शिक्षा में बना देश का नंबर-1 राज्य

मान ने गिनाई सरकार की उपलब्धियां, अकाल तख्त सर्वोच्च, लेकिन कुछ लोग कर रहे दुरुपयोग : मुख्यमंत्री भगवंत मान

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
24 जून (एएम नाथ)

मौड़ हलके के ऐतिहासिक गांव मंडी कलां में आयोजित विशाल 'लोक मिलनी' कार्यक्रम के दौरान पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने दावा किया कि शिक्षा क्षेत्र में व्यापक सुधारों के चलते पंजाब ने स्कूली शिक्षा के मामले में केरल, महाराष्ट्र और दिल्ली जैसे राज्यों को पीछे छोड़कर देश में पहला स्थान हासिल किया है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार शिक्षा, कृषि, महिला सशक्तीकरण और धार्मिक आस्था के सम्मान को समान प्राथमिकता दे रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री अकाल तख्त साहिब हर पंजाबी और सिख के लिए सर्वोच्च और अत्यंत पवित्र संस्था है, लेकिन कुछ लोग अपने निजी हितों के लिए इसका दुरुपयोग करने का प्रयास कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) के चुनाव पिछले 14 वर्षों से नहीं हुए हैं और इस संबंध में उन्होंने केंद्र सरकार को पत्र लिखकर जल्द चुनाव कराने की मांग की है। मान ने कहा कि धार्मिक संस्थाओं को राजनीतिक स्वार्थों से मुक्त रखना समय की जरूरत है।

मुख्यमंत्री ने 'जागत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार अधिनियम-2026' का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इस कानून के तहत बेअदबी के मामलों में 10 वर्ष से लेकर उम्रकैद तक की सजा तथा 50 लाख रुपये तक जुर्माने का प्रावधान किया गया है। उनका कहना था कि यह कानून भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए मजबूत प्रतिरोधक साबित होगा और गुरु साहिब की पवित्रता बनाए रखने में सहायक होगा।

मान ने अकाली दल और बादल परिवार पर भी तीखा हमला बोला।

उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व सरकारों ने राजनीतिक लाभ के लिए धर्म का इस्तेमाल किया तथा विभिन्न माफियाओं को संरक्षण देकर पंजाब को नुकसान पहुंचाया। साथ ही उन्होंने 'मांवां-धीयां सम्मान योजना', नहरी सिंचाई विस्तार, किसानों को दिन में बिजली आपूर्ति और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार जैसी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि उनकी सरकार पंजाब के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर उन्होंने मंडी कलां गांव के विकास के लिए 50 लाख रुपये की ग्रांट, नई लाइब्रेरी और 55 वर्ष पुरानी धर्मशाला के नवीनीकरण की भी घोषणा की।

पंजाब सरकार ने बढ़ाया सरपंचों का मान

मानदेय में पांच गुना बढ़ोतरी, अब हर महीने मिलेंगे 10 हजार रुपये

» प्रथम न्यूज । बठिंडा
24 जून (एएम नाथ)

पंजाब सरकार सभी सरपंचों को अब हर महीने 15 हजार रुपए मानदेय देगी। बुधवार को बठिंडा में आयोजित सरपंच मिलनी कार्यक्रम के दौरान सीएम भगवंत सिंह मान ने यह घोषणा कर राज्य के करीब 13 हजार पिंडों के सरपंचों को बड़ा तोहफा दिया। उधर, आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने इस फैसले को ऐतिहासिक बताते हुए पंजाब के सभी सरपंचों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि ये एक ऐतिहासिक निर्णय है जो केवल आम आदमी पार्टी ही ले सकती है। देश में पहली बार सरपंचों को इतनी सैलरी मिलेगी। भगवंत मान साहिब को ये निर्णय लेने के लिए बधाई।

बठिंडा में आयोजित सरपंच मिलनी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम भगवंत सिंह मान ने कहा कि 15 अगस्त को देश आजाद हुआ था और 15 अगस्त 2027 को देश को आजाद हुए 80 साल हो जाएंगे। 15 अगस्त को देश आजाद हुआ और देश में लोकतंत्र की नींव रखी गई। लोकतंत्र की नींव की पहली ईंट सरपंच होते हैं, लेकिन सरपंचों को ही सबसे ज्यादा बदनाम करके रख दिया गया है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि सरपंच मुझे अपना छोटा-बड़ा भाई, बेटा या भतीजा समझें। इस 15 अगस्त से हर एक सरपंच के खाते में 10 हजार रुपए मिला करेंगे। इसे 10 हजार रुपए मानदेय कह लें, वेतन कह लें या चाय-पानी कह लें, जो मर्जी कह लें, अब सरपंचों को हर महीने 10 हजार रुपए मिला करेंगे।

जनकल्याण के लिए और बड़े फैसले लेगी मान सरकार

मुख्यमंत्री ने इंटरनेट मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भी इस फैसले की जानकारी साझा करते हुए कहा कि पंचायतें लोकतंत्र की पहली सीढ़ी हैं और सरपंच गांवों की सेवा में निरंतर जुटे रहते हैं। उन्होंने कहा कि गांवों का विकास ही पंजाब की तरक्की का आधार है और राज्य सरकार जनकल्याण के लिए ऐसे फैसले आगे भी लेती रहेगी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकारों ने सरपंचों को 1200 रुपये मानदेय देने का वादा किया था, लेकिन उसे कभी पूरा नहीं किया गया। उनकी सरकार ने पहले सरपंचों को 2,000 रुपये मानदेय देना शुरू किया और अब इसे बढ़ाकर 10,000 रुपये कर दिया गया है।

योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचाने में सरपंचों और पंचों का योगदान

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंचायत राज संस्थाएं लोकतंत्र की नींव हैं और देश की लगभग 70 प्रतिशत आबादी गांवों में रहती है। इसलिए पंचायतों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि सरकार की जनहितकारी योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचाने में सरपंचों और पंचों का अहम योगदान होता है।

भगवंत मान ने सरपंचों से आह्वान किया कि वे गांवों के विकास कार्यों को प्राथमिकता दें और सरकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक जरूरतमंद व्यक्ति तक पहुंचाना सुनिश्चित करें।

चोरों ने पहले जूस बनाकर पिया फिर दुकान से चुराई नकदी, पुलिस जांच में जुटी

अमृतसर (साहिब दयाल) खालसा कॉलेज चौक पर लगे पुलिस नाके के बिल्कुल सामने ही एक जूस की दुकान को चोरों ने निशाना बनाया है। चोरों ने ठेले का ताला तोड़ा फिर दुकान में रखे काजू बादाम और फलों का जूस निकाला और पिया। जूस पीने के बाद गल्ले में रखी नकदी और कीमती सामान आराम से समेटा और फरार हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार जूस की दुकान का संचालक बंटी 13 जून की रात 10 बजे अपनी दुकान बंद कर घर चले गए। इसके बाद वीरवार सुबह 10 बजे जब वापस दुकान खोलने के लिए पहुंचे तो उनकी दुकान में लगी जाली टूटी हुई दिखाई दी। ठेले में लगा पैसों का गल्ला टूटा हुआ था और ठेले के अंदर रखा सामान भी इधर-उधर बिखरा था। गल्ले में रखी नगदी, इनवर्टर बैटरी, कोल्ड कैंडी में रखे फल-फ्रूट, आधा किलो काजू बादाम का पैकेट, दो जूसर, स्टील के 4 जग, 10 चमच, 5 किलो चीनी, कांच और डिस्पोज़ेबल के गिलास, आम केले और मुसम्मी की बोरियां उनकी दुकान से गायब थे।

पिछले एक हफ्ते में खालसा कॉलेज और कबीर पार्क मार्किट क्षेत्र में करीब आधा दर्जन से अधिक वारदात हो चुकी है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पीसीआर पुलिस रात के समय गश्त करने इलाके में नहीं आती। वहीं कोट खालसा रोड पर स्थित कबीर पार्क पुलिस चौकी के अधिकारी परविंदर कुमार ने कहा कि जूस संचालक बंटी की रिपोर्ट पर अज्ञात चोरों के विरुद्ध शिकायत दर्ज कर तलाश की जा रही है।

पंजाब में ट्रिपल मर्डर के बाद सुसाइड

युवक ने चाची, भाई और दोस्त को गोलियों से भूना; खुद भी दी जान

गुरदासपुर के बटाला में जमीनी विवाद में चली अंधाधुंध फायरिंग

» प्रथम न्यूज । गुरदासपुर
24 जून (ब्यूरो)

पंजाब में एक बार फिर ताबड़तोड़ गोलियां चलने की खबर सामने आ रही है। खबर है कि एक व्यक्ति ने अंधाधुंध फायरिंग कर अपनी चाची, नाबालिग चचेरे भाई और दोस्त की हत्या कर दी है।

जानकारी के मुताबिक गुरदासपुर के बटाला में मंगलवार देर रात एक व्यक्ति ने जहां जमीनी विवाद में अंधाधुंध फायरिंग कर अपनी चाची और नाबालिग चचेरे भाई की हत्या कर दी। यही नहीं, आरोपी ने उसे रोकने के लिए आगे आए अपने ही फौजी दोस्त को भी गोली मार दी।

इसके तुरंत बाद आरोपी ने खुद के सिर में भी गोली मार आत्महत्या कर ली। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मनजोत सिंह नामक युवक ने कथित तौर पर जमीन विवाद के चलते अपनी सगी चाची हरजीत कौर और 12 वर्षीय चचेरे भाई हरि अमृतपाल सिंह को गोली मार दी।

इसी दौरान उसका दोस्त प्रगट सिंह, जो सेना का जवान बताया जा रहा है, उसे रोकने के लिए आगे आया, लेकिन आरोपी ने उसे भी गोली मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वारदात को अंजाम देने के बाद मनजोत सिंह अपने घर पहुंचा और रसोई में जाकर खुद को भी गोली मार ली। इस घटना में कुल चार लोगों की मौत हो गई।

इन सभी की लाशें घर के अंदर, बाहर और आरोपी की लाश घर की किचन में मिली। वहीं घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। पुलिस ने चारों शवों को कब्जे में लेकर सिविल अस्पताल बटाला के डेड हाउस में रखवा दिया है। आज शवों का पोस्टमॉर्टम किया जाएगा। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल बना हुआ है।

शीतल अंगूराल ने जालंधर वेस्ट के रेलवे फाटकों पर ओवरब्रिज/अंडरपास बनाने की मांग की

» प्रथम न्यूज । जालंधर
24 जून (शैली अल्बर्ट)

जालंधर वेस्ट के पूर्व विधायक शीतल अंगूराल ने बाबू लाभ सिंह नगर, शीतल नगर, न्यू अमर नगर, गुरु नानक नगर, शाम नगर, शिव नगर और नागरा के रेलवे फाटकों पर ओवरब्रिज/अंडरपास निर्माण के लिए केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को लिखित मांग पत्र सौंपा। उनके साथ पूर्व विधायक के.डी. भंडारी और भाजपा महामंत्री अशोक सरीन हिक्की भी मौजूद रहे।

अंगूराल ने कहा कि जालंधर वेस्ट की जनता सालों से रेलवे फाटकों के कारण जाम, दुर्घटनाओं, एंबुलेंस की देरी और बच्चों की परेशानी झेल रही है। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने इस गंभीर समस्या को कभी प्राथमिकता नहीं दी और सिर्फ वोट की राजनीति की। शीतल अंगूराल ने कहा कि भाजपा राजनीति नहीं, समाधान की राजनीति करती है। रेलवे फाटकों का निर्माण सिर्फ सुविधा नहीं, बल्कि सुरक्षा, समय की बचत और क्षेत्र के विकास का मुद्दा है। भाजपा इसे पूरी मजबूती से आगे बढ़ाएगी। के.डी. भंडारी और अशोक सरीन हिक्की ने कहा कि कांग्रेस और आप ने वेस्ट को उपेक्षा के हवाले किया। शीतल अंगूराल द्वारा उठाई गई यह मांग सिर्फ वेस्ट ही नहीं, बल्कि नॉर्थ विधानसभा के लोगों को भी लाभ देगी। भाजपा जनता को राहत दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है।

मोदी सरकार ने जालंधर को दी बड़ी सौगात, गुरु नानकपुरा और गढ़ा रोड रेलवे फाटकों पर ओवरब्रिजों का हुआ शिलान्यास

केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने रखी आधारशिला, वर्षों पुरानी ट्रैफिक समस्या के समाधान की दिशा में ऐतिहासिक कदम

» प्रथम न्यूज । जालंधर
24 जून (शैली अल्बर्ट)

जालंधर शहर को ट्रैफिक जाम की समस्या से राहत दिलाने की दिशा में आज एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने गुरु नानकपुरा रेलवे क्रॉसिंग तथा गढ़ा रोड-बस स्टैंड रेलवे फाटक पर बनने वाले ओवरब्रिजों का विधिवत शिलान्यास किया। इन परियोजनाओं के पूर्ण होने के बाद शहरवासियों को लंबे समय से चली आ रही यातायात बाधाओं से बड़ी राहत मिलेगी।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में भाजपा नेताओं, कार्यकर्ताओं एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया। कार्यक्रम की अगुवाई भाजपा जिला जालंधर शहरी के अध्यक्ष सुशील शर्मा ने की।

केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार देशभर में आधुनिक बुनियादी ढांचे के विकास को प्राथमिकता दे रही है। जालंधर में इन दोनों ओवरब्रिजों के निर्माण से यातायात व्यवस्था बेहतर होगी, समय की बचत होगी और लोगों को जाम की समस्या से निजात मिलेगी।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व कैबिनेट मंत्री मनोरंजन कालिया, भाजपा प्रदेश महामंत्री राकेश राठौर, प्रदेश उपाध्यक्ष कृष्ण देव भंडारी, पूर्व विधायक शीतल अंगुराल, अविनाश चंद्र, सरबजीत सिंह मक्कड़, जगबीर बराड़, कर्मजीत कौर चौधरी, पूर्व जिला अध्यक्ष रमन पब्बी, सुभाष सूद, रवि महेंदरू, पुनीत शुक्ला, जिला महामंत्री अशोक सरीन हिक्की, राजेश कपूर, अमरजीत सिंह गोल्डी, भाजपा स्पोर्ट्स सेल के प्रदेश अध्यक्ष सनी शर्मा दीवान, अमित अरोड़ा, मंडल अध्यक्ष शिव दर्शन, दिनेश खन्ना, हिमांशु शर्मा, गौरव राय, डिंपी लुभाना, पुनीत शुक्ला, सन्नी शर्मा, शैली खन्ना, मुकेश वालिया, अभि कुंवर, सरताज, गौरव मेहरा, अमित भाटिया, संदीप कुमार सहित अनेक वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इस दौरान दकोहा क्षेत्र के निवासियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को एक मांग-पत्र सौंपकर क्षेत्र में अंडरब्रिज निर्माण की मांग भी उठाई। केंद्रीय मंत्री ने प्रतिनिधिमंडल की मांग को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विषय पर सकारात्मक विचार करने का आश्वासन दिया।

भाजपा नेताओं ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा स्वीकृत इन विकास परियोजनाओं से जालंधर के बुनियादी ढांचे को नई मजबूती मिलेगी तथा शहर के विकास को नई गति प्राप्त होगी। उन्होंने कहा कि भाजपा जनता से किए गए वादों को धरातल पर उतारने के लिए निरंतर कार्य कर रही है और आने वाले समय में भी विकास कार्यों का सिलसिला जारी रहेगा।

जालंधर के मेयर वनीत धीर की माता आशा धीर का निधन, शहर में शोक की लहर

» प्रथम न्यूज । जालंधर
24 जून (महेश रहेजा)

जालंधर के मेयर वनीत धीर की माता श्रीमती आशा धीर का निधन हो गया है। उनके निधन की खबर मिलते ही परिवार, रिश्तेदारों और शहर भर में शोक की लहर दौड़ गई। सामाजिक, धार्मिक और राजनीतिक वर्गों से जुड़े लोगों ने इस दुखद समाचार पर गहरी संवेदना व्यक्त की है।

बताया जा रहा है कि मेयर वनीत धीर का परिवार पहले से ही गहरे सदमे में था। कुछ महीनों पूर्व उनके पिता का भी निधन हो गया था और परिवार अभी उस दु:ख से पूरी तरह उबर नहीं पाया था। ऐसे में अब माता के निधन ने परिवार को एक और बड़ा आघात पहुंचाया है।

आशा धीर के निधन की सूचना मिलते ही शहर के कई गणमान्य व्यक्ति, सामाजिक संगठन और राजनीतिक प्रतिनिधि मेयर वनीत धीर के निवास पर पहुंचे और शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। सभी ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति तथा परिवार को इस कठिन समय में धैर्य प्रदान करने की प्रार्थना की। परिवार की ओर से अंतिम संस्कार और श्रद्धांजलि सभा संबंधी जानकारी जल्द ही साझा किए जाने की संभावना है। शहर के विभिन्न वर्गों के लोगों ने भी आशा धीर के निधन पर गहरा दु:ख व्यक्त करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है।

संक्षिप्त न्यूज

हमीरपुर की आंचल शर्मा ने रचा इतिहास

AIIMS MSc न्यूक्लियर मेडिसिन टेक्नोलॉजी प्रवेश परीक्षा में हासिल किया पहला स्थान

हमीरपुर (एएम नाथ)– हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर जिले के बड़सर विधानसभा क्षेत्र के गांव करेर की होनहार बेटी आंचल शर्मा ने राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए एम्स द्वारा आयोजित एमएससी न्यूक्लियर मेडिसिन टेक्नोलॉजी प्रवेश परीक्षा–2026 में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। उनकी इस सफलता से परिवार, क्षेत्र और पूरे हिमाचल प्रदेश में खुशी का माहौल है।

आंचल शर्मा की इस असाधारण उपलब्धि को प्रदेश के लिए गौरव का क्षण माना जा रहा है। राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतिष्ठित परीक्षा में शीर्ष स्थान हासिल कर उन्होंने यह साबित कर दिया है कि मेहनत, लगन और समर्पण के बल पर किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

सफलता के बाद आंचल के घर बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। क्षेत्र के लोगों ने उनकी उपलब्धि पर गर्व व्यक्त करते हुए परिवार को शुभकामनाएं दी हैं। इस अवसर पर इंद्र दत्त लखनपाल ने भी आंचल शर्मा को बधाई देते हुए उनकी मेहनत और समर्पण की सराहना की।

विधायक ने कहा कि आंचल की सफलता क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि दर्शाती है कि यदि किसी के भीतर दृढ़ संकल्प और लक्ष्य के प्रति समर्पण हो तो सीमित संसाधन भी सफलता की राह में बाधा नहीं बनते।

आंचल शर्मा की इस उपलब्धि से पूरे बड़सर क्षेत्र में खुशी की लहर है। स्थानीय लोगों का कहना है कि उन्होंने न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे जिले और हिमाचल प्रदेश का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। बड़ी संख्या में लोग उनके माता–पिता को बधाई देने पहुंच रहे हैं।

हिमकेयर और आयुष्मान भारत से बाहर हुए 21 आयुर्वेदिक अस्पताल

21 आयुर्वेदिक अस्पतालों पर गिरी गाज, हिमकेयर-आयुष्मान के तहत नहीं मिलेगा मुफ्त उपचार

शिमला (एएम नाथ)– हिमाचल प्रदेश के 21 आयुर्वेदिक अस्पतालों को हिमकेयर और आयुष्मान भारत स्वास्थ्य योजनाओं के पैनल से बाहर कर दिया गया है। इस संबंध में हिमाचल स्वास्थ्य बीमा योजना सोसायटी (एचपीएसबीवाई) ने आदेश जारी किए हैं। निर्णय के बाद इन अस्पतालों में पात्र मरीजों को दोनों योजनाओं के तहत मिलने वाला पांच लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज अब उपलब्ध नहीं होगा। जानकारी के अनुसार केंद्र सरकार की नई ऑनलाइन व्यवस्था में आयुर्वेदिक अस्पतालों को शामिल करने का प्रावधान नहीं रखा गया है। इसी कारण राज्य के आयुर्वेदिक अस्पतालों को योजनाओं के पैनल से हटाने का फैसला लिया गया है। अब तक इन अस्पतालों में बड़ी संख्या में मरीज हिमकेयर और आयुष्मान भारत योजना के तहत उपचार का लाभ उठा रहे थे। इस फैसले का असर अस्पतालों में कार्यरत करीब 40 से 50 आउटसोर्स कर्मचारियों पर भी पड़ सकता है। ये कर्मचारी दोनों स्वास्थ्य योजनाओं से संबंधित रिकॉर्ड, क्लेम और अन्य प्रशासनिक कार्य संभालते थे। योजनाओं का संचालन बंद होने से उनकी सेवाओं की आवश्यकता कम होने की आशंका है, जिससे रोजगार पर संकट खड़ा हो सकता है। जिन अस्पतालों को योजनाओं से बाहर किया गया है उनमें जिला आयुर्वेदिक अस्पताल बिलासपुर, नालागढ़, धर्मशाला, कांगड़ा, हमीरपुर, ऊना, रिकांगपिओ, नाहन, चंबा, सोलन, मंडी और कुल्लू सहित अन्य संस्थान शामिल हैं। इसके अलावा रीजनल आयुर्वेदिक अस्पताल छोटा शिमला तथा राजीव गांधी आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल पपरोला को भी पैनल से हटाया गया है। इस निर्णय से प्रदेश के आयुर्वेदिक चिकित्सा संस्थानों में उपचार कराने वाले हजारों लाभार्थियों पर सीधा प्रभाव पड़ने की संभावना है।

गुरुदेव बने गोयला स्कूल प्रबंधन समिति के अध्यक्ष

पट्टा मेहलोग, 24 जून (तारा) – शिक्षा खंड पट्टा मेहलोग के तहत राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला गोयला में शिक्षा विभाग के दिशा निर्देशों के अनुसार विद्यालय प्रबंधन समिति एमसी का गठन सर्वसम्मति से संपन्न हुआ। बैठक की अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉक्टर संजय कुमार ने की तथा इसमें अभिभावकों, शिक्षकों और ग्राम पंचायत गोयला की प्रधान निर्मला देवी, उप–प्रधान गुरुदेव सिंह, वार्ड सदस्य रक्षा देवी व ममता ने भाग लिया। इस अवसर पर आयोजित आमसभा में अभिभावकों ने पहले समिति के सदस्यों देवी दत्त, रंजना, गुरुदेव, शेर सिंह, सीमा, रीना, सुनील, सुनीता, विमला देवी, फूलवंती, रेखा, निर्मला, शेरसिंह, रक्षा देवी का चयन सर्वसम्मति से किया। फिर चुने गए सदस्यों द्वारा सर्वसम्मति से गुरुदेव वर्मा को विद्यालय प्रबंधन समिति का नया अध्यक्ष तथा रक्षा कुमारी को उपाध्यक्ष चुना गया। इस अवसर पर भवन समिति एवं शैक्षणिक समिति का भी गठन किया गया जिससे विद्यालय के आधारभूत ढांचे तथा शैक्षणिक गतिविधियों को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सके। नव निर्वाचित अध्यक्ष गुरुदेव वर्मा ने उपस्थित सदस्यों और अभिभावकों का आभार व्यक्त किया व आश्वासन दिया कि वह विद्यालय के चौमुखी विकास, छात्रों के शैक्षणिक स्तर में सुधार और शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे। बैठक में उपस्थित प्रधानाचार्य ने नवगठित समिति के पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि अभिभावकों और विद्यालय के बीच बेहतर सामंजस्य स्थापित करने में विद्यालय प्रबंधन समिति की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है और आशा व्यक्त की कि समिति विद्यालय के सर्वांगीण विकास और विद्यार्थियों के विकास में सक्रिय योगदान देगी। इस अवसर पर प्रवक्ता भूगोल सुखदेव, भौतिक शास्त्र अनिल वशिष्ठ, मनदीप, शशि पाल एवं टीजीटी रमेश कुमार व पूनम ठाकुर उपस्थित रहे।

खेल युवाओं में अनुशासन और आत्मविश्वास विकसित करते हैंः मुख्यमंत्री

» प्रथम न्यूज । शिमला
24 जून (बी.शर्मा)

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने मंगलवार देर सायं यहां ऐतिहासिक रिज पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय प्रो–बॉक्सिंग चैंपियनशिप के समापन समारोह की अध्यक्षता की।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इस प्रतियोगिता का आयोजन पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय वीरभद्र सिंह की स्मृति में किया गया है। उन्होंने कहा कि वीरभद्र सिंह कांग्रेस पार्टी के कद्दावर नेता थे और प्रदेश के विकास में उनका उल्लेखनीय योगदान रहा है। स्वर्गीय वीरभद्र सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह प्रतियोगिता नवोदित खिलाड़ियों को खेलों के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेगी। उन्होंने कहा कि खेल प्रतिभागियों में अनुशासन, आत्मविश्वास और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को विकसित करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय आयोजनों से खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय प्रतियोगिताओं का अनुभव मिलता है और उनके खेल कौशल में वृद्धि होती है। इस प्रतियोगिता में श्रीलंका, भारत, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान और थाईलैंड के अंतरराष्ट्रीय स्तर के मुक्केबाजों ने भाग लिया। इस अवसर पर लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह, पूर्व सांसद प्रतिभा सिंह, विधायक हरीश जनारथा और हरदीप बावा, हिमुडा के उपाध्यक्ष यशवंत छाजटा, महापौर सुरेंद्र चौहान, उप–महापौर उमा कौशल तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।.

किन्नौर में बादल फटा, काचरंग नाले में उफान से मची अफरा-तफरी

भावानगर (एएम नाथ)– किन्नौर के भावानगर के पास काचरंग नाले में बादल फटने से अचानक बाढ़ आ गई। बाढ़ से पैदल पुल, पेयजल लाइनें और जल शक्ति विभाग का टैंक क्षतिग्रस्त हो गया। विभाग पेयजल आपूर्ति बहाल करने में जुटा है

बादल फटने से हुई तबाही – किन्नौर जिले में मंगलवार देर रात हुई एक भयावह घटना में, भावानगर के समीप काचरंग नाले में बादल फटने से अचानक बाढ़ आ गई। इस विनाशकारी बाढ़ ने क्षेत्र में भारी तबाही मचाई है, जिससे एक पैदल पुल और कई पेयजल लाइनें क्षतिग्रस्त हो गई हैं। जल शक्ति विभाग का एक पेयजल भंडारण टैंक भी बाढ़ की चपेट में आकर आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गया है।

मंगलवार देर रात, काचरंग नाले के पास बादल फटने की घटना ने स्थानीय निवासियों को झकझोर दिया। अचानक जलस्तर बढ़ने से नाले का बहाव इतना तेज हो गया कि उसने रास्ते में आने वाले पैदल पुल को अपने साथ बहा लिया। इसके अतिरिक्त, क्षेत्र की पेयजल आपूर्ति के लिए बिछाई गई पाइपलाइनें भी बाढ़ के तेज प्रवाह से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। जल शक्ति विभाग का एक महत्वपूर्ण पेयजल भंडारण टैंक भी इस घटना से अछूता नहीं रहा और उसे भी नुकसान पहुंचा है।

जनहानि से बचाव, लेकिन दहशत का माहौल– राहत की बात यह है कि काचरंग गांव नाले से काफी दूरी पर स्थित होने के कारण, इस आपदा में किसी भी प्रकार की जनहानि की सूचना नहीं है। हालांकि, अचानक आई बाढ़ और उसके बाद हुए नुकसान ने स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल पैदा कर दिया है।

मंडी में जयराम का कांग्रेस पर हमला; कहा, अपने फायदे के लिए कई बार की लोकतंत्र की हत्या

'हिमाचल ऑन सेल' चला रही सुक्खू सरकार, भाजपा नहीं होने देगी सरकारी संपत्तियों की बिक्री : जयराम ठाकुर

» प्रथम न्यूज । मंडी
24 जून (एएम नाथ)

आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ की पूर्व संध्या पर नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि लोकतंत्र बचाने की बातें करने वाली कांग्रेस ने अपने राजनीतिक हितों के लिए कई बार लोकतंत्र का गला घोंटा है। मंडी स्थित भाजपा जिला कार्यालय में '12 साल विश्वास के, विकास के और जनकल्याण के' विषय पर आधारित विशेष फोटो प्रदर्शनी के उद्घाटन के बाद पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने यह बात कही।

जयराम ठाकुर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि पिछले 12 वर्षों में भारत ने वैश्विक स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बनाई है और देश एक सशक्त राष्ट्र के रूप में उभरा है। उन्होंने कहा कि यह प्रत्येक भारतीय के लिए गर्व का विषय है।

प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए जयराम ठाकुर ने आरोप लगाया कि सुक्खू सरकार ने पूरे हिमाचल में 'हिमाचल ऑन सेल' का माहौल बना दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार प्रदेश की बहुमूल्य संपत्तियों को बेचने और निजी हाथों में सौंपने की दिशा में काम कर रही है, जिसका भाजपा लगातार विरोध कर रही है। विश्वप्रसिद्ध होटल वाइल्ड फ्लावर हॉल के मामले का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इस संपत्ति को लेकर कानूनी लड़ाई में सफलता पूर्ववर्ती सरकारों और भाजपा शासन के प्रयासों का परिणाम है, लेकिन वर्तमान सरकार इसका श्रेय लेने का प्रयास कर रही है। साथ ही उन्होंने टेंडर प्रक्रिया में गड़बड़ी और चहेतों को लाभ पहुंचाने के आरोप भी लगाए।

उन्होंने कहा कि हाल ही में राज्य पर्यटन विकास निगम की 18 संपत्तियों और होटलों को निजी क्षेत्र को सौंपने के आदेश जारी किए गए हैं, जिसके विरोध में निगम के कर्मचारी सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन कर रहे हैं। भाजपा कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए उनके साथ खड़ी है।

आपातकाल का उल्लेख करते हुए जयराम ठाकुर ने कहा कि 25 जून 1975 को लगाया गया आपातकाल भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का सबसे काला अध्याय था। इस दौरान अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, नागरिक अधिकारों और लोकतांत्रिक संस्थाओं पर गंभीर प्रहार हुआ। उन्होंने कहा कि संघ, जनसंघ और एबीवीपी के कार्यकर्ताओं ने उस दौर में लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष किया था। जयराम ने कहा कि देश की वास्तविक शक्ति किसी व्यक्ति या दल में नहीं, बल्कि संविधान और जनता में निहित है।

बालीचौकी बीडीओ पर वित्तीय अनियमितताओं के आरोप, मामला मुख्यमंत्री दरबार पहुंचा

सराज में विकास कार्यों पर विवाद, बीडीओ के खिलाफ स्वतंत्र जांच की मांग

बालीचौकी/शिमला (एएम नाथ)– सराज विधानसभा क्षेत्र के बालीचौकी विकास खंड में प्रशासनिक कार्यप्रणाली और वित्तीय प्रबंधन को लेकर विवाद गहरा गया है। पूर्व जिला परिषद सदस्य संत राम ने शिमला में मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपकर विकास खंड अधिकारी (बीडीओ) भवनेश चड्ढा के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने पूरे मामले की किसी स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराने तथा दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

आरोपों और जवाबों के बीच घिरा बालीचौकी विकास खंड, जांच की उठी मांग

शिकायत पत्र में बीडीओ पर पद के दुरुपयोग, वित्तीय अनियमितताओं, सरकारी धन की कथित बर्बादी और नियमों की अनदेखी कर मनमाने फैसले लेने के आरोप लगाए गए हैं। संत राम का आरोप है कि बीडीओ ने अपना निवास बालीचौकी मुख्यालय के बजाय करीब 33 किलोमीटर दूर कलैहली में रखा हुआ है, जिससे सरकारी वाहन का अत्यधिक उपयोग हो रहा है और ईंधन सहित सरकारी संसाधनों पर अनावश्यक खर्च बढ़ रहा है।

ज्ञापन में यह भी आरोप लगाया गया है कि पंचायतों का कार्यकाल समाप्त होने के बाद नियमों की अनदेखी कर एक निजी फर्म से लगभग 50 हजार रुपये प्रति यार्ड की दर से बड़ी संख्या में सैग्रीगेशन यार्ड खरीदे गए। शिकायतकर्ता ने संबंधित फर्म और विकास खंड के एक ग्राम रोजगार सेवक के बीच संबंध होने का दावा करते हुए हितों के टकराव का आरोप लगाया है।

इसके अलावा पंचायतों की करोड़ों रुपये की धनराशि को स्थानीय बैंकों से स्थानांतरित कर भुंतर स्थित एक निजी बैंक में जमा कराने, हरियाली परियोजना के तहत सामग्री खरीद में अनियमितता तथा मनरेगा श्रमिकों को रोजगार से वंचित करने के आरोप भी लगाए गए हैं।

उधर, बीडीओ भवनेश चड्ढा ने सभी आरोपों को निराधार और तथ्यहीन बताया है। उनका कहना है कि विकास खंड में सभी कार्य सरकारी नियमों और पारदर्शी प्रक्रियाओं के अनुसार किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी जांच में विभाग पूरा सहयोग करेगा। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि झूठे और मनगढ़ंत आरोपों से उनकी छवि धूमिल करने के प्रयास पर शिकायतकर्ता के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया जाएगा।

कांग्रेस को संविधान की दुहाई देने का कोई नैतिक अधिकार नहीं, आपातकाल लोकतंत्र पर सबसे बड़ा प्रहार था : सुरेश भारद्वाज

25 जून 1975 को देश को जेल में बदल दिया गया, कांग्रेस ने मौलिक अधिकारों और प्रेस की स्वतंत्रता का गला घोंटा

» प्रथम न्यूज । शिमला
24 जून (बी.शर्मा)

भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री सुरेश भारद्वाज ने कहा कि आज कांग्रेस के नेता हाथ में संविधान की छोटी पुस्तक लेकर देशभर में घूमते हैं और भारतीय जनता पार्टी पर संविधान विरोधी होने के आरोप लगाते हैं, जबकि वास्तविकता यह है कि संविधान और लोकतंत्र पर सबसे बड़ा हमला कांग्रेस ने 25 जून 1975 को आपातकाल लगाकर किया था। उन्होंने कहा कि यह दिन भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का सबसे काला अध्याय है, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अपने राजनीतिक हितों की रक्षा के लिए पूरे देश को एक प्रकार से जेल में परिवर्तित कर दिया था।

सुरेश भारद्वाज ने कहा कि स्वतंत्र भारत के इतिहास में तीन घटनाएं ऐसी हैं जिन्होंने देश की आत्मा को झकझोर दिया। पहली देश का विभाजन, दूसरी 25 जून 1975 को लगाया गया आपातकाल और तीसरी 1984 में सिख विरोधी दंगे। उन्होंने कहा कि 25 जून 1975 की रात तत्कालीन राष्ट्रपति

फखरुद्दीन अली अहमद से आपातकाल की घोषणा करवाई गई और देशवासियों के मौलिक अधिकारों को निलंबित कर दिया गया। प्रेस पर सेंसरशिप लगा दी गई, विपक्षी नेताओं को जेलों में डाल दिया गया और आम नागरिकों तक को प्रताड़ित किया गया।

उन्होंने कहा कि इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा 12 जून 1975 को इंदिरा गांधी के चुनाव को निरस्त किए जाने के बाद लोकतांत्रिक और संवैधानिक प्रक्रिया अपनाने के बजाय कांग्रेस ने आपातकाल का रास्ता चुना। अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी, मोरारजी देसाई, जॉर्ज फर्नांडिस, चंद्रशेखर और हजारों राजनीतिक कार्यकर्ताओं को मीसा (MISA) के तहत जेलों में बंद कर दिया गया। उस समय ना दलील, ना वकील, ना अपील की स्थिति थी।

भारद्वाज ने कहा कि आपातकाल के दौरान संविधान में 39वां और 42वां संशोधन कर लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने का प्रयास किया गया। लोकसभा और विधानसभाओं का कार्यकाल बढ़ाया गया, न्यायपालिका की शक्तियों को सीमित किया गया और प्रधानमंत्री सहित शीर्ष पदों के चुनावों को न्यायिक समीक्षा से बाहर करने की कोशिश की गई। इसके अतिरिक्त जबरन नसबंदी अभियान चलाया गया और सरकारी कर्मचारियों को लक्ष्य देकर लोगों पर अत्याचार किए गए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, जनसंघ और लोकतंत्र समर्थक संगठनों ने उस दौर में संघर्ष किया और हजारों कार्यकर्ताओं ने जेल यात्राएं कीं। आज वही कांग्रेस संविधान बचाने की बातें कर रही है जिसने सबसे अधिक बार संविधान में संशोधन किए और लोकतांत्रिक संस्थाओं का दुरुपयोग किया।

सुरेश भारद्वाज ने कहा कि भाजपा 25 जून को पूरे देश में संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाएगी ताकि नई पीढ़ी को बताया जा सके कि लोकतंत्र और संविधान पर सबसे बड़ा हमला किसने किया था। उन्होंने बताया कि शिमला में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल मुख्य वक्ता के रूप में कार्यक्रम को संबोधित करेंगे तथा आपातकाल से जुड़े तथ्यों पर आधारित प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। वहीं 27 जून को पालमपुर में पूर्व मुख्यमंत्री शांता कुमार मुख्य वक्ता होंगे। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष करने वाले सेनानियों और उनके परिजनों को भी सम्मानित किया जाएगा।

भगवंत मान पर लगे गंभीर आरोपों के बाद तत्काल इस्तीफा दें :गुरमीत सिंह

फर्जी फॉरेंसिक रिपोर्ट, 10 लाख की कथित रिश्वत और गुरुओं के अपमान को छिपाने की साजिश का सच सामने आए

» प्रथम न्यूज । शिमला
24 जून (बी.शर्मा)

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष गुरमीत सिंह ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पर लगे गंभीर आरोपों को लोकतंत्र, धार्मिक आस्था और प्रशासनिक व्यवस्था के लिए अत्यंत चिंताजनक बताते हुए उनके तत्काल इस्तीफे की मांग की है। उन्होंने कहा कि जिस मामले को आम आदमी पार्टी और पंजाब सरकार फर्जी वीडियो बताकर दबाने का प्रयास कर रही थी, उसमें अब लगातार नए खुलासे सामने आ रहे हैं, जिससे पूरी साजिश पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

गुरमीत सिंह ने कहा कि सार्वजनिक रूप से सामने आए दस्तावेजों और तथ्यों के अनुसार 18 जून 2026 को पंजाब सरकार द्वारा एक फॉरेंसिक रिपोर्ट पेश कर यह दावा किया गया कि मुख्यमंत्री भगवंत मान से जुड़ा वायरल वीडियो फर्जी और एआई जनित है। लेकिन रिपोर्ट जारी होने के तुरंत बाद उसकी विश्वसनीयता पर सवाल उठे क्योंकि रिपोर्ट में फॉरेंसिक लैब का स्पष्ट विवरण तक नहीं था। इसके बाद विपक्षी दलों और सिख संगठनों ने रिपोर्ट की

निष्पक्षता पर गंभीर संदेह व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि अब जो जानकारियां सामने आई हैं, वे और भी अधिक चौंकाने वाली हैं। आरोप हैं कि पंजाब पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों और कुछ कथित फॉरेंसिक विशेषज्ञों के बीच गुरुग्राम में बैठकें हुईं, फर्जी रिपोर्ट तैयार करने के लिए दबाव बनाया गया और इसके लिए लाखों रुपये के लेन–देन तक किए गए। इतना ही नहीं, यह भी दावा किया जा रहा है कि संबंधित व्यक्तियों ने कैमरे पर स्वीकार किया है कि रिपोर्ट तैयार करने के लिए उन्हें भुगतान किया गया था। यदि यह सत्य है तो यह केवल एक फर्जी रिपोर्ट का मामला नहीं बल्कि धार्मिक भावनाओं से जुड़े अत्यंत संवेदनशील विषय पर सच को दबाने की सुनियोजित साजिश है। गुरमीत सिंह ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने इस रिपोर्ट के आधार पर पूरे मामले को एआई जनित बताकर जनता को गुमराह करने का प्रयास किया। लेकिन अब सामने आ रहे तथ्यों ने पंजाब सरकार की मंशा पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिए हैं। यदि हरियाणा पुलिस अथवा अन्य जांच एजेंसियों के पास उपलब्ध बताए जा रहे साक्ष्य और कथित स्वीकारोक्ति सार्वजनिक होती है तो पंजाब सरकार का पूरा बचाव पक्ष धराशायी हो जाएगा। उन्होंने कहा कि सिख गुरुओं के सम्मान और पंथ की गरिमा से जुड़े विषय पर किसी भी प्रकार का राजनीतिक संरक्षण या लीपापोती स्वीकार नहीं की जा सकती। भाजपा मांग करती है कि पूरे मामले की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच कराई जाए तथा यदि आरोपों में सत्यता पाई जाती है तो मुख्यमंत्री भगवंत मान नैतिक आधार पर तत्काल अपने पद से इस्तीफा दें। गुरमीत सिंह ने कहा कि पंजाब की जनता, सिख समाज और देश के लोकतांत्रिक संस्थानों को यह जानने का अधिकार है कि आखिर फॉरेंसिक रिपोर्ट किसने तैयार की, किसके निर्देश पर तैयार की गई और उसके पीछे किन लोगों की भूमिका रही। सच को छिपाने का हर प्रयास अंततः असफल होगा और दोषियों को कानून के अनुसार जवाब देना होगा।

हिमाचल के 5 मेडिकल कॉलेजों में 75 नए असिस्टेंट प्रोफेसर पद मंजूर

» प्रथम न्यूज । शिमला
24 जून (एएम नाथ)

हिमाचल प्रदेश सरकार ने राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था और चिकित्सा शिक्षा को सुदृढ़ बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए प्रदेश के पांच प्रमुख सरकारी मेडिकल कॉलेजों में 75 नए असिस्टेंट प्रोफेसर पदों के सृजन और भर्ती की अधिसूचना जारी कर दी है। सरकार के इस फैसले से मेडिकल शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ने के साथ–साथ मरीजों को विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में भी मदद मिलेगी।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार ये पद प्रदेश के प्रमुख सरकारी मेडिकल कॉलेजों में भरे जाएंगे। इनमें डॉ. राजेंद्र प्रसाद गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, डॉ. यशवंत सिंह परमार गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, श्री लाल बहादुर शास्त्री गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, पं. जवाहर लाल नेहरू गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज और डॉ. राधाकृष्णन गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज शामिल हैं। सरकार ने कुल

12 महत्वपूर्ण विभागों में इन पदों को भरने की मंजूरी दी है। इनमें रेडियो–डायग्नोसिस के 13 पद, स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग के 9 पद, बाल रोग विभाग के 8 पद, सामान्य चिकित्सा के 6 पद, सामान्य सर्जरी के 5 पद, पल्मोनरी मेडिसिन के 5 पद, कार्डियोलॉजी के 5 पद, माइक्रोबायोलॉजी के 5 पद, मनोरोग के 5 पद, ईएनटी के 5 पद, पैथोलॉजी के 5 पद और बायोकेमिस्ट्री के 4 पद शामिल हैं।

इस फैसले की सबसे महत्वपूर्ण पहल कार्डियोलॉजी विभाग को लेकर है। सरकार ने नाहन और चंबा मेडिकल कॉलेजों में कार्डियोलॉजी विभाग स्थापित करने का निर्णय लिया है। इसके तहत दोनों संस्थानों में कार्डियोलॉजी के असिस्टेंट प्रोफेसर (सुपर स्पेशियलिटी) पद सृजित किए गए हैं। इससे इन क्षेत्रों के मरीजों को हृदय रोगों के इलाज और विशेषज्ञ परामर्श के लिए बड़े शहरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।

हिमाचल प्रदेश के दूरदराज और पर्वतीय क्षेत्रों में विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाओं की उपलब्धता लंबे समय से चुनौती रही है। नए पदों की भर्ती से मरीजों को बेहतर जांच, उपचार और परामर्श सेवाएं स्थानीय स्तर पर मिल सकेंगी, जिससे स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच और गुणवत्ता दोनों में सुधार होगा। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार सभी 75 पदों को भर्ती एवं पदोन्नति नियमों के तहत पूरी पारदर्शिता के साथ भरा जाएगा। सरकार का उद्देश्य योग्य और अनुभवी चिकित्सा विशेषज्ञों को प्रदेश के संस्थानों से जोड़कर आम जनता को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। माना जा रहा है कि यह निर्णय आने वाले वर्षों में हिमाचल प्रदेश के स्वास्थ्य ढांचे को नई मजबूती प्रदान करेगा।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
हरियाणा न्यूज़
Website : www.prathamnews.in

संक्षिप्त न्यूज

पासपोर्ट सेवा दिवस पर विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने दी शुभकामनाएं, नागरिक सेवाओं को और सशक्त बनाने का संकल्प दोहराया

चंडीगढ़ (पुनीत महाजन): नई दिल्ली देशभर में आज 14वां पासपोर्ट सेवा दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। यह दिवस 24 जून 1967 को लागू हुए पासपोर्ट अधिनियम की स्मृति में प्रतिवर्ष मनाया जाता है। इस अवसर पर भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने देश और विदेश में कार्यरत सभी पासपोर्ट जारी करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

अपने संदेश में डॉ. जयशंकर ने कहा कि पासपोर्ट सेवा कार्यक्रम 2.0 (Passport Seva Programme 2.0), चिप-युक्त ई-पासपोर्ट, पासपोर्ट सेवा केंद्रों (PSKs) तथा डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्रों (POPSKs) के विस्तार ने भारतीय नागरिकों के लिए विदेश यात्रा को पहले से अधिक सरल, सुरक्षित और सुविधाजनक बनाया है।

उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में पासपोर्ट सेवाओं में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। तकनीकी नवाचारों और डिजिटल सेवाओं के माध्यम से पासपोर्ट जारी करने की प्रक्रिया तेज, पारदर्शी और नागरिक-अनुकूल बनी है। इससे देश के दूर-दराज क्षेत्रों तक भी सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित हुई है।

विदेश मंत्री ने पासपोर्ट अधिकारियों के समर्पण और सेवा भावना की सराहना करते हुए कहा कि उनका योगदान भारतीय नागरिकों को वैश्विक अवसरों से जोड़ने और सुगम अंतरराष्ट्रीय यात्रा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। पासपोर्ट सेवा दिवस के अवसर पर देशभर के क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम, नागरिक संवाद और उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों का सम्मान भी किया गया। पासपोर्ट केवल एक यात्रा दस्तावेज नहीं, बल्कि वैश्विक अवसरों और नए क्षितिजों तक पहुंच का माध्यम है।

गैस उपभोक्ताओं के लिए खुशखबरी अब गैस सिलेंडर बुकिंग हुई और भी आसान, WhatsApp से करें मिनटों में बुकिंग

चंडीगढ़ (पुनीत महाजन): डिजिटल इंडिया अभियान के तहत अब घरेलू गैस उपभोक्ताओं के लिए सिलेंडर बुकिंग पहले से कहीं अधिक आसान हो गई है। देश की प्रमुख गैस कंपनियों इंडेन, भारत गैस और एचपी गैस ने WhatsApp आधारित बुकिंग सुविधा उपलब्ध कराई है, जिससे उपभोक्ता घर बैठे अपने मोबाइल फोन से कुछ ही सेकंड में गैस सिलेंडर बुक कर सकते हैं। इस सुविधा के माध्यम से उपभोक्ताओं को लंबी कॉल, प्रतीक्षा या एजेंसी के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं होगी। केवल अपने रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर से WhatsApp पर निर्धारित नंबर पर संदेश भेजकर बुकिंग की जा सकती है।

इंडेन गैस उपभोक्ताओं के लिए: रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर से 7588888824 पर WhatsApp में REFILL लिखकर भेजें और अपनी गैस बुकिंग तुरंत करें।

भारत गैस उपभोक्ताओं के लिए: WhatsApp नंबर 1800-22-4344 पर Hi लिखकर संदेश भेजें और दिए गए निर्देशों का पालन कर बुकिंग पूरी करें।

एचपी गैस उपभोक्ताओं के लिए: WhatsApp नंबर 9222201122 पर BOOK लिखकर भेजें और आसानी से अपना सिलेंडर बुक करें। विशेषज्ञों का कहना है कि WhatsApp आधारित यह सुविधा उपभोक्ताओं का समय बचाने के साथ-साथ बुकिंग प्रक्रिया को अधिक सरल, सुरक्षित और पारदर्शी बनाती है। उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि वे केवल अपने पंजीकृत मोबाइल नंबर का ही उपयोग करें ताकि बुकिंग प्रक्रिया सुचारू रूप से पूरी हो सके।

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में किए जा रहे प्रबंधों का लिया जायजा

कुरुक्षेत्र (बृज मोहन): उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि कुरुक्षेत्र में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में समय रहते सभी प्रबंध और कार्यों को पूरा किया जाए। इस विषय को सभी अधिकारी गंभीरता से लेंगे और बाढ़ के प्रबंधों में किसी प्रकार की कोई कमी नहीं रहनी चाहिए। अगर किसी भी स्तर पर खामी पाई गई तो संबंधित अधिकारी के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा गत दिवस शाहाबाद उपमंडल क्षेत्र में बाढ़ राहत कार्यों का निरीक्षण कर रहे थे। इससे पहले उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा, भाजपा के जिलाध्यक्ष तिजेंद्र सिंह गोल्डी, एसडीएम शाहाबाद शंभू राठी सहित अन्य अधिकारियों ने झांसा, जलबेहडा, अजराना खुर्द, कैंथला सहित अन्य गांवों में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में किए जा रहे प्रबंधों का जायजा लिया। इस दौरान उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि बरसात के सीजन के पहले जलभराव की स्थित से निपटने के सभी प्रबंधों को समयबद्ध तरीके से पूरा किया। जिन स्थानों पर गत वर्ष ज्यादा बरसात के कारण समस्याएं आई, वहां पर तैयारियों को पुख्ता किया जाए और जिन संसाधनों की कमी रही, उन्हें समय रहते पूरा किया जाए, ताकि किसी भी प्रकार की स्थिति में नुकसान को रोका जाए।

श्रीमद्भगवद्गीता केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि मानव जीवन को सही दिशा देने वाली एक अमूल्य धरोहर है : मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी

जापान में आयोजित अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव में वीडियो के माध्यम से दिया संदेश

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
24 जून (मुकेश डोलिया)

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि श्रीमद्भगवद्गीता केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि मानव जीवन को सही दिशा देने वाली एक अमूल्य धरोहर है। कुरुक्षेत्र की पावन भूमि पर भगवान श्रीकृष्ण द्वारा दिया गया कर्मयोग का संदेश आज भी पूरी मानवता के लिए प्रेरणास्रोत है। गीता हमें कर्तव्य, आत्मविश्वास, संयम और मानव कल्याण का मार्ग दिखाती है।

मुख्यमंत्री आज जापान में आयोजित अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव के समापन अवसर पर उपस्थित लोगों को चंडीगढ़ से वीडियो संदेश के माध्यम से सम्बोधित कर रहे थे। श्री नायब सिंह सैनी ने आगे कहा कि आज जब विश्व अनेक चुनौतियों और तनावों का सामना कर रहा है, तब गीता का संदेश शांति, सद्भाव और सकारात्मक सोच की प्रेरणा देता है। यही कारण है कि गीता का संदेश विश्वभर में लोगों को जोड़ने का कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र से प्रारंभ हुआ अंतराष्ट्रीय गीता महोत्सव आज विश्व के अनेक देशों तक पहुँच चुका है। उन्होंने कहा कि भारत और जापान के संबंध सदैव मजबूत रहे हैं।

विशेष रूप से हरियाणा और जापान के बीच आर्थिक एवं सांस्कृतिक सहयोग निरंतर बढ़ रहा है, जो हमारी गहरी मित्रता का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री ने इस आयोजन की सफलता के लिए आयोजकों को बधाई देते हुए कहा कि उन्हें पूरी उम्मीद है कि गीता का यह दिव्य संदेश पूरे विश्व में शांति, सद्भाव और मानव कल्याण का मार्ग प्रशस्त करता रहेगा।

इस अवसर पर जापान में पूज्य स्वामी ज्ञानानंद महाराज, ओसाका में भारत के कॉन्सुल जनरल श्री चंद्रु अप्पार, कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के सदस्य सचिव डॉ. अमित अग्रवाल , मानद सचिव उपेंद्र सिंघल , प्राधिकरण सदस्य श्री विजय नरूला , हिंदू स्वयंसेवक संघ के सदस्य , इस्कॉन, गीता परिवार के कार्यकर्ता भी उपस्थित थे।

शांति, भाईचारे और निष्काम कर्म के वैश्विक संदेश के साथ क्योटो (जापान) में अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव का भव्य समापन

जापान के ऐतिहासिक शहर क्योटो में अत्यधिक आध्यात्मिक उत्साह और सांस्कृतिक सद्भाव के साथ अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव के जापान संस्करण का भव्य समापन समारोह आयोजित किया गया। इस गौरवशाली आयोजन में भगवद गीता के शाश्वत उपदेशों को दोहराते हुए वैश्विक शांति,आपसी भाईचारे और निष्काम कर्म के सार्वभौमिक संदेश पर विशेष बल दिया गया।

इसके तहत टोक्यो विश्वविद्यालय में एक अत्यंत प्रतिष्ठित शैक्षणिक सेमिनार का शानदार आयोजन हुआ और एदोगावा की सड़कों पर भव्य गीता सद्भावना यात्रा निकाली गई, जिसने भारतीय प्रवासियों और जापानी समुदाय के हजारों लोगों को एकसूत्र में पिरो दिया।

ओसाका प्रान्त विधानसभा में पवित्र गीता भेंट की गई। ओसाका असेंबली में कुल 50 विधायक हैं, आश्चर्य की बात है जिसमें 49 विधायकों का विशिष्ट संगठन इंडो जापान फ्रेंडशिप फोरम के नाम से बनी हुई है।

असेंबली में इनमें से 9 प्रतिनिधि विधायकों को स्वामी ज्ञानंद महाराज और आयुक्त एवं सचिव सूचना, जनसम्पर्क एवं भाषा विभाग एवं सदस्य सचिव कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड डॉक्टर अमित अग्रवाल के साथ कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के प्रतिनिधिमंडल ने श्रीमद्भगवद् गीता भेंट की। विधायकों ने भारत और जापान की संस्कृति के विभिन्न पहलुओं पर भी चर्चा की। एक जैसी सोच एक जैसी संस्कृति और संस्कारों पर दोनों देश एकजुट होकर कैसे कार्य करें इस पर विस्तृत चर्चा हुई। ओसाका प्रान्त विधानसभा में परम पूज्य स्वामी ज्ञानानन्द महाराज, भारत के महावाणिज्य दूत डॉ. अब्दुल समी, डॉ. अमित अग्रवाल, उपेंद्र मानद सचिव सिंघल, प्राधिकरण सदस्य विजय नरूला और हिंदू स्वयंसेवक संघ के समर्पित सदस्य मौके पर उपस्थित रहे। इसके पश्चात इगाशी ओसाका के मेयर जुन्ज़ो नागाओ के साथ विशिष्ट प्रतिनिधि मंडल की बैठक उनके कार्यालय में संपन्न हुई जिसमें विधायक सतपाल जांबाजी, पंचकूला के मेयर श्यामलाल बंसल, रमिता अग्रवाल सहित कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के प्रतिनिधि शामिल हुए। क्योटो जापान की सांस्कृतिक राजधानी है और कुरुक्षेत्र हरियाणा की। इस नाते दोनों शहरों में किस तरह की सांस्कृतिक आदान-प्रदान की संभावनाएं हो सकती है इस बात पर चर्चा हुई।

दोपहर पश्चात क्योटो के जियान कॉर्नर नामक एक प्रसिद्ध सांस्कृतिक परिसर में श्रीमद् भागवत गीता का जापानी भाषा में परंपरागत काबूकी शो आयोजित हुआ जिसमें श्रीमद् भागवत गीता के मर्म को जापानी भाषा में मंचन हुआ।

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह ने इस दिव्य महोत्सव के सफल आयोजन के लिए अपना एक विशेष वीडियो संदेश प्रसारित किया गया। उन्होंने इस शाश्वत उत्सव की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन भारत और जापान के बीच अंतर्राष्ट्रीय व सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूत करते हैं।

वैश्विक गीता मंच के प्रणेता गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानन्द महाराज ने अपने उद्बोधन में कहा कि गीता किसी एक धर्म या क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरी मानवता के लिए शांतिपूर्ण जीवन जीने और सही मार्ग पर चलने की एक व्यावहारिक जीवन नियमावली है।

स्वामी गुरुशरणानन्द महाराज ने सभा को अपना पावन आशीर्वाद देते हुए कहा कि गीता का प्राचीन ज्ञान भारत और जापान की गहरी आध्यात्मिक विरासतों को जोड़ने वाले एक मजबूत सेतु के रूप में कार्य करता है।

कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के सदस्य सचिव डॉ. अमित अग्रवाल ने वर्तमान समय में गीता के दर्शन की वैश्विक प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कैसे गीता का निष्काम कर्म और नैतिक मार्ग आज की आधुनिक चुनौतियों से निपटने में पूरी दुनिया का मार्गदर्शन कर सकता है। इस समापन समारोह का एक मुख्य आकर्षण एक अद्भुत क्रॉस- अंतर-सांस्कृतिक प्रसिद्ध ओटानी ग्रुप द्वारा दी गई प्रस्तुति एक विशेष जापानी पारंपरिक नाटक काबुकी शो रहा। केइज़ो ओटानी और रियुसेई ओटानी ने अपने शानदार अभिनय से अंतराष्ट्रीय दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस प्रस्तुति ने दोनों देशों के बीच गहरे सांस्कृतिक संबंधों और आपसी सम्मान को प्रदर्शित किया।

भारतीय दूतावास द्वारा आयोजित इस भव्य और भावपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन अंतराष्ट्रीय गीता महोत्सव का समापन समारोह स्वरूप रहा। स्वामी ज्ञानानंद के मार्गदर्शन में कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के प्रतिनिधिमंडल ने ओटानी यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर से दोनों देशों के बीच गीता पर शोध और कल्चरल एक्सचेंज पर भी चर्चा की और यूनिवर्सिटी में गीता भेंट की।

इस्कॉन ने गीता के दिव्य संदेश को जन-जन तक पहुँचाने में अपना सामूहिक योगदान दिया।

जापान के क्योटो में अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव का यह सफल समापन, कुरुक्षेत्र के शाश्वत और अमर संदेश को वैश्विक पटल पर ले जाने में एक और मील का पत्थर साबित हुआ है।

यह आयोजन उगते सूरज की भूमि जापान में शांति, जागरूकता और अटूट भाईचारे की एक अमिट छाप छोड़ गया है।

पंजाब में मतदाता सूची को होगी अपडेट ,25 जून से स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (SIR) अभियान शुरू

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
24 जून (मुकेश डोलिया)

पंजाब में मतदाता सूची को अपडेट करने के लिए 25 जून से स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (SIR) अभियान शुरू हो रहा है। इसके तहत 24,453 बूथ लेवल अधिकारी (BLO) घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन करेंगे। जिन लोगों की मैपिंग नहीं हो पाई है, उनके घरों पर बीएलओ विशेष स्टीकर भी चिपकाएंगे। चुनाव आयोग के अनुसार राज्य में 2.14 करोड़ मतदाताओं में से 86.02त्न की मैपिंग पूरी हो चुकी है, जबकि करीब 30 लाख मतदाता अभी भी सत्यापन प्रक्रिया से बाहर हैं। इन्हीं मतदाताओं तक पहुंचने के लिए अगले एक महीने तक डोर-टू-डोर अभियान चलाया जाएगा। अभियान 24 जुलाई तक चलेगा और अंतिम मतदाता सूची 1 अक्टूबर 2026 को प्रकाशित की जाएगी।

बुधवार को मुख्य चुनाव अधिकारी अनिंदिता मित्रा ने चंडीगढ़ स्थित पंजाब भवन में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार यह प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और व्यवस्थित तरीके से संचालित की जाएगी।

मुख्य चुनाव अधिकारी ने बताया कि राज्य के 24,453 बीएलओ अगले एक महीने तक घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन करेंगे। इस दौरान वे फॉर्म बांटेंगे, भरवाएंगे और वापस जमा करेंगे। अभियान के तहत पंजाब के 2 करोड़ 14 लाख 61 हजार 43 मतदाताओं का रिकॉर्ड अपडेट किया जाएगा। साथ ही 24 जुलाई तक मतदान केंद्रों के पुनर्गठन का काम भी पूरा कर लिया जाएगा। अभियान पूरा होने के बाद 3 अगस्त को प्रारूप मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। इसके बाद मतदाता नाम जोड़ने, हटाने या संशोधन से संबंधित दावे और आपत्तियां 2 सितंबर तक दर्ज करा सकेंगे।

इनका निपटारा 28 सितंबर तक किया जाएगा और 1 अक्टूबर को अंतिम मतदाता सूची जारी कर दी जाएगी। उन्होंने बताया कि राज्य में अब तक 86.02 प्रतिशत मतदाताओं की मैपिंग पूरी हो चुकी है। जिन मतदाताओं की मैपिंग नहीं हो सकी है, उनकी सूची सभी राजनीतिक दलों को उपलब्ध करा दी गई है। चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों से अभियान को सफल बनाने में सहयोग की अपील की है। मित्रा ने बताया कि किसी मतदाता की खुद की मैपिंग हुई है तो उसके लिए अलग कॉलम होगा, जबकि माता-पिता या दादा-दादी के आधार पर मैपिंग होने पर उसके लिए अलग कॉलम निर्धारित किया गया है। फॉर्म भरने के बाद मतदाता को यह भी बताना होगा कि उसने भारत के अलावा किसी अन्य देश की नागरिकता नहीं ली है और उसका नाम किसी अन्य स्थान की मतदाता सूची में दर्ज नहीं है। इसके बाद फॉर्म को स्कैन कर जमा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यदि कोई व्यक्ति घर पर नहीं मिलता या मकान बंद मिलता है, तो बीएलओ वहां फॉर्म छोड़ेंगे और एक स्टीकर लगाएंगे।

स्टीकर पर लिखा होगा कि बीएलओ मौके पर आए थे, लेकिन संबंधित व्यक्ति घर पर नहीं मिला। साथ ही दोबारा और तीसरी बार आने की संभावित तारीख भी लिखी जाएगी, ताकि मतदाता फॉर्म भरकर जमा कर सके। इस बैठक में अतिरिक्त मुख्य चुनाव अधिकारी अमनदीप गर्ग, संयुक्त मुख्य चुनाव अधिकारी नवनीत कौर बल्ल समेत विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

30 सितंबर तक जिला के सभी गांवों को एनीमिया मुक्त करने का संकल्पः डॉ. चौहान

» प्रथम न्यूज । पिहोवा
24 जून (मुकेश डोलिया)

हरियाणा ग्रामीण विकास संस्थान के निदेशक डॉ. वीरेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन हरियाणा के अंतर्गत प्रदेश में 30 जून 2026 तक एनीमिया उन्मूलन माह मनाया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य बच्चों, किशोर-किशोरियों, गर्भवती महिलाओं,धात्री माताओं एवं प्रजनन आयु वर्ग की महिलाओं में एनीमिया की रोकथाम, जांच एवं उपचार को सुदृढ़ करना है।

हरियाणा ग्रामीण विकास संस्थान के निदेशक डॉ. वीरेंद्र सिंह चौहान बुधवार को खंड विकास एवं पंचायत कार्यालय के सभागार में जिले के सरपंचों और ग्राम सचिवों की एक बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस राष्ट्रीय मिशन के अंतर्गत राज्य सरकार का स्वास्थ्य विभाग जो अभियान संचालित कर रहा है उसे ग्रामीण क्षेत्र में पंचायत विभाग द्वारा हर संभव सहयोग उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। इसी क्रम में आज स्वास्थ्य विभाग व गांव के सरपंच और ग्राम सचिवों के साथ बैठक की गई। उन्होंने कहा कि जून माह को एनीमिया उन्मूलन माह के रूप में मनाया जा रहा है। बैठक में तय किया गया कि इन दिनों चल रहे मतदाता सूची के शुद्धिकरण अभियान के बाद नए सिरे से जिले के सब गांवों में इस कार्यक्रम को आगे बढ़ाया जाए। उन्होंने कहा कि उपस्थित प्रतिनिधियों से विमर्श के बाद 30 सितंबर तक जिला कुरुक्षेत्र को एनीमिया मुक्त बनाने का लक्ष्य रखा गया है। एनीमिया उन्मूलन अभियान में पंचायत विभाग की ओर से राज्य की नोडल अधिकारी नीलम छिकारा ने उपस्थित प्रतिनिधियों को अभियान की बारीकियों, महत्व और लक्ष्य से अवगत कराया। जिला नोडल अधिकारी डॉ. शैलजा मंगला को नियुक्त किया है।

उन्होंने कहा कि एनीमिया एक गंभीर जन स्वास्थ्य समस्या है, जो बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास तथा महिलाओं के स्वास्थ्य को प्रभावित करती है। अभियान के दौरान जिले की सभी पंचायतों ,स्वास्थ्य संस्थाओं एवं आंगनवाड़ी केन्द्रों पर एनीमिया की जांच, आयरन-फोलिक एसिड वितरण, पोषण संबंधी परामर्श तथा जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि इस अभियान के अंतर्गत 6 माह से 59 माह तक के बच्चों, 5 से 9 वर्ष के बच्चों, 10 से 19 वर्ष के किशोर-किशोरियों, 20 से 49 वर्ष की महिलाओं, गर्भवती महिलाओं एवं स्तनपान कराने वाली माताओं को विशेष रूप से लाभान्वित किया जाएगा। एनीमिया मुक्त हरियाणा की 6 गुणा 6 गुणा 6 रणनीति के टी 4 फॉर्मूला के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों की पहचान,जांच, उपचार एवं फॉलो-अप सुनिश्चित किया जाएगा।

उन्होंने सरपंच व गणमान्य व्यक्ति से अपील की है कि वे ऐसे व्यक्ति कि पहचान कर अपने निकटतम स्वास्थ्य केन्द्र अथवा आंगनवाड़ी केंद्र पर एनीमिया उन्मूलन महाअभियान के तहत उपलब्ध सेवाओं का लाभ उठाएं तथा आयरन युक्त संतुलित आहार अपनाकर एनीमिया मुक्त समाज के निर्माण में सहयोग दें।

इस अवसर पर डिप्टी सीईओ कृष्ण लाल,खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी विवेक कुमार, पीओ सीमा, सरपंच जेपी महेला, देवीदयाल, रविंद्र काजल, पंडित आजाद कुमार, एसीपीओ मोहित सिंगला मौजूद रहे।

इन्वेस्ट के नाम पर करीब 79 लाख की धोखाधड़ी करने के मामले में थाना साइबर क्राइम द्वारा आरोपी काबु।

» प्रथम न्यूज । कैथल
24 जून (कृष्ण गर्ग)

साइबर ठगो पर एसपी मनप्रीत सिंह सूदन के आदेशानुसार शिकंजा कसा जा रहा है। ऐसे ही एक मामले में ठगो द्वारा हैफेड में कंप्यूटर ऑपरेटर के साथ इन्वेस्ट के नाम पर करीब 79 लाख रुपए की ठगी करने के मामले की जांच थाना साइबर क्राइम के एएसआई विनोद कुमार की टीम द्वारा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान सुखदेव नगर जिला लुधियाना पंजाब निवासी इरफान खान के रूप में हुई। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गांव साकरा निवासी दर्शन सिंह की शिकायत अनुसार वह हैफेड में कंप्यूटर ऑपरेटर के पद पर काम करता है। 11 सितंबर को उसके मोबाइल पर व्हाट्सएप पर मैसेज आया। यूजर ने अपना नाम चंद्रिका बताया और उसे पार्ट टाइम काम करने का ऑफर किया। इसके बाद उसे अलग-अलग होटल व वेबसाइट पर रिव्यू देने के लिए कहा और रिव्यू के स्क्रीनशॉट टेलीग्राम आईडी पर भेजने को कहा। इसके बाद उसने वेबसाइट पर रिव्यू देकर टेलीग्राम पर स्क्रीनशॉट भेज दिया। इसका कमीशन भेजने के लिए टेलीग्राम यूजर ने उसका अकाउंट नंबर मांगा तो उसने टेलीग्राम यूजर को भेज दिया। कमीशन के 120 रुपए उसके खाते में आ गए। इसके बाद आरोपियों ने ज्यादा पैसे कमाने की बात कहकर उसका वर्चुअल वॉलेट बना दिया और ट्रेडिंग में पैसे इन्वेस्ट करने को कहा। उससे इन्वेस्टमेंट करके मोटा मुनाफा कमाने का लालच देकर 79,29,369 रुपए इन्वेस्ट करवा लिए। साथ ही और ज्यादा प्रॉफिट के लिए और रुपए इन्वेस्ट करने को कहा। बाद में उसने वॉलेट से राशि निकालने के प्रयास किया तो वह नहीं निकली। जिस बारे थाना साइबर क्राइम में मामला दर्ज कर लिया गया। उक्त मामले में एक आरोपी पहले ही गिरफ्तारी किया जा चुका है। आरोपी इरफान द्वारा साइबर ठगों को अपना बैंक अकाउंट उपलब्ध करवाया गया था। आरोपी को न्यायालय के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

चंडीगढ़ सुखना लेक में हॉर्टिकल्चर वर्कर्स यूनियन की गेट मीटिंग आयोजित, 4 जुलाई की जनरल कॉन्फ्रेंस में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने का आह्वान

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
24 जून (पुनीत महाजन)

हॉर्टिकल्चर वर्कर्स यूनियन द्वारा आज सुखना लेक में एक गेट मीटिंग का आयोजन किया गया, जिसमें कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं, मांगों और संगठनात्मक मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में कर्मचारियों से अपील की गई कि वे आगामी 4 जुलाई 2026 (शनिवार) को हॉर्टिकल्चर कार्यालय, सेक्टर-23 सी, चंडीगढ़ में आयोजित होने वाली यूनियन की जनरल कॉन्फ्रेंस में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाएं।

बैठक को संबोधित करते हुए ज्वाइंट एक्शन कमेटी के चेयरमैन राजा राम एवं कन्वीनर सुरमुख सिंह ने कहा कि आउटसोर्स कर्मचारियों का वेतन प्रत्येक माह की 7 तारीख तक अनिवार्य रूप से जारी किया जाना चाहिए। उन्होंने विभाग में लंबे समय से रिक्त पड़े पदों को शीघ्र भरने तथा हरियाणा कौशल रोजगार निगम की तर्ज पर चंडीगढ़ प्रशासन द्वारा भी कर्मचारियों के लिए सुरक्षित एवं स्थायी रोजगार नीति लागू करने की मांग उठाई।

उन्होंने कहा कि फील्ड में कार्यरत कर्मचारियों को कार्य के दौरान जहरीली वनस्पतियों, मिट्टी तथा अन्य हानिकारक परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में कर्मचारियों की सुरक्षा एवं स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए उन्हें शीघ्र साबुन और सरसों का तेल उपलब्ध कराया जाना चाहिए।

यूनियन के महासचिव कमल कुमार एवं ज्वाइंट एक्शन कमेटी के कैशियर कुलदीप सिंह ने अपने संबोधन में चंडीगढ़ प्रशासन से आउटसोर्स कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए सुरक्षित नीति बनाने, हॉर्टिकल्चर विभाग में कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारियों के टेंडर समय पर जारी करने तथा उनकी सेवानिवृत्ति आयु 65 वर्ष निर्धारित करने की मांग की। उन्होंने विभाग में लंबे समय से खाली पड़े हेड माली के पदों को भी शीघ्र भरने की आवश्यकता पर बल दिया

बैठक में यूनियन के प्रधान छाँगा सिंह सहित माम राज, रंजीत सिंह, राजा राम, सुरमुख सिंह, कुलदीप सिंह, कमल कुमार, पुरुषोत्तम, रूपेश, अल्ला दीन, हरविंदर सिंह और बृजेश सहित अन्य साथियों ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

सभी वक्ताओं ने कर्मचारियों से एकजुट होकर अपने अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष करने तथा 4 जुलाई की जनरल कॉन्फ्रेंस में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर उसे सफल बनाने का आह्वान किया।

आज का
संपादकीय

बदलती औपचारिकताएं, महिलाएँ परेशान

सुख की सरकार पूर्व प्रधानमंत्री श्री मति स्वर्गीय इंदिरा गांधी का नाम घूमिल करने की कोशिश कर रही ऐसा कहने में कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी ।पंचायतें इंदिरा गांधी प्यारी बहना सुख सम्मान निधि योजना तहत जमा होने बाले लाखों(8.14) आवेदनों की जांच करने में सफल नहीं हुई,इसलिए अब महिलाओं को तहसील कल्याण अधिकारी पास आवेदन जमा करबाने होंगें ।इस योजना के 6,43 लाख आवेदन सत्यापन न होने की बजह से आगामी प्रकिया लटक गई है ।हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस पार्टी ने इंदिरा गांधी प्यारी बहना सुख सम्मान निधि योजना तहत प्रत्येक महिला को पंद्रह सौ रुपये दिए जाने की घोषणा करके सुख की सरकार बनाने में सफलता पाई थी ।विधानसभा चुनावी बेला पर कांग्रेस नेताओं का तर्क था की घर की प्रत्येक महिला को सरकार बनने उपरांत पंद्रह सौ रुपये दिए जाएंगें ।सुख की सरकार का कार्यकाल केवलमात्र डेड बर्ष शेष बचा है ।किन्नौर, लाहुल स्पीति की कुछेक महिलाओं को पंद्रह सौ रुपये मिलने की गवाही मीडिया सुर्खियाँ भरती हैँ ।पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमति इंदिरा गांधी गरीबों की मसीहा थी ।हिमाचल प्रदेश की वर्तनमान सुख सरकार की कार्यप्रणाली गरीब बिरोधी नजर आती है ।कांग्रेस पार्टी ने प्रदेश की लाखों भोली,भाली महिलाओं से फ़ार्म यह कहकर भरवाए की अब उन्हें पंद्रह सौ रुपये मिलेंगें ।सच बात यह की आज दिन तक सुख की सरकार ने नित नए दिन औपचारिकताएं बदलकर महिलाओं का उपहास उड़ाया है ।कांग्रेस नेताओं का दावा था की घर की प्रत्येक महिला को पंद्रह सौ रुपये मिलेंगें ठीक इसी बजह से महिलाओं ने कांग्रेस पक्ष में मतदान किया था ।कांग्रेस पार्टी महिलाओं के दम पर सरकार बनाने में सफल रही ।हिमाचल प्रदेश की अधिकतर महिलाओं ने पंद्रह सौ रुपये मिलने की उम्मीद छोड़ दी है। सुख की सरकार ने इस योजना का पैसा महिलाओं के बैंक खाते में डालकर फिर बापिस लिए जाने,पात्र महिलाओं का अनुमोदन ग्राम सभाओं द्वारा किए जाना,आपदा एक्ट और अब 18 से 20 साल की युवतियों को इस योजना लाभ से दूर रखा है।

कहने का भावार्थ यह की योजना का लाभ 21 से 59 बर्ष की महिलाओं को मिलेगा ।सरकार ने इससे पूर्व अप्रैल महीने दो लाख रुपये से अधिक बार्षिक आय बाली महिलाओं को इस योजना लाभ से दूर रखने का दावा किया था ।कभी जिस महिला परिवार का कोई सदस्य पैंशन भोगी उसे इस योजना का लाभ नहीं मिलने की अधिसूचना जारी की थी ।सुख की सरकार पिछ्ले एक बर्ष में पंचायतों में बीपीएल चयन की नई सूचियां तक नहीं बना पाई है ।आठ चरण बीत जाने बाबजूद भी गरीब जनता को बदलती औपचारिकताओं से जुझना पड़ा है ।कुल मिलाकर प्रदेश की जनता इस कदर उलझाकर रख दी प्रत्येक बर्ग अब इस सरकार से आहत नजर आ रहा है ।पंचायतें में ग्राम सभाओं की बैठकें बहुत कम सफल हो रही हैँ ।गरीब जनता फार्म भरने,आय सहित अन्य प्रमाण पत्र बनाने,ईकेवाईसी,आधारकार्ड,मोबाइल नंबर लिंक करवाने तक सिमित होकर रह गया है ।जिला परिषद सदस्य पंचायत कार्यालयों में अपनी सेवाएं दिए जाने बाबजूद भी सरकार के दिशा निर्देशों का फिल्ड में जाकर पालन करने को मजबूर हैँ ।बीपीएल सूची में नाम दर्ज करवाने के लिए पचास हजार रुपये बार्षिक आय जरूरी मानी है ।वहीं इंदिरा गांधी प्यारी बहना सुख सम्मान निधि योजना तहत 15 सौ रुपये लिए जाने के लिए दो लाख रुपये से कम आय होनी चाहिए ।सुख की सरकार इस बात की गारंटी जनता को अवश्य दे की इसके वाद योजना का लाभ लेने के लिए कोई नई कंडीशन नहीं लगाई जाएगी ।सुख सरकार की आर्थिक हालत पतली होने कारण ही 18 से 20 साल की युवतियों को इस योजना लाभ से दूर रखा जा रहा है ।कांग्रेस पार्टी का मेनिफेस्टों तैयार करने बालों को आलाकमान सम्मानित जरूर करे जिनके झूठ की बजह से महिलाओं की फजीहत हो रही है ।सुख की सरकार पर ऋ्ष्ण सौ करोड़ रुपये से अधिक और इसमें अधिक इजाफा होगा ।कुल मिलाकर प्रत्येक हिमाचली के उपर लाखों रुपये कर्जा है ।सरकार अपने संसाधन बढ़ाने में सफल नहीं,खर्चे कम करके अपना कार्यकाल पुरा करना चाहती है ।बोर्ड निगमों के अध्यक्ष,केबिनेट रेंक माननीयों,पत्रकारों को मिलने बाली सुविधाओं पर कट लग गया है।

सुखदेव सिंह
स्वतंत्र पत्रकार नूरपुर

माननीयों की बिकास निधि लंबित रहने कारण पंचायत के बिकास कार्य जोर नहीं पकड़ पाए हैँ ।कर्मचारियों का एरियर भुगतान लंबित,गंभीर बीमारियों से जूझ रहे सहारा योजना के लाभार्थियों को पिछले 11 महीनों से आर्थिक सहायता नहीं मिल पाई है ।हिमकेयर योजना में खामियां बताकर जांच प्रकिया शुरु की गई है ।स्वास्थ्य सुविधाएं इस कदर महंगी कर दी गरीब आदमी

अपना सही इलाज तक नहीं करवा सकता है ।क्या ऐसे हालात में सुख सरकार महिलाओं को पंद्रह सौ रुपये दिए जाने में सफल हो पाएगी बड़ा सवाल है? ।कांग्रेस पार्टी को 15 सौ रुपये महिलाओं को दिए जाने का दावा करने से पहले यह अवश्य स्मरण रखना था की प्रदेश में संसाधन कम और केंद्र में भाजपा सरकार है ।केंद्र सरकार से मिलने बाली रेवन्यु डेफीसिट ग्रांट बंद होने का रोना राज्य सरकार रोकर अपनी जान छुड़ा रही है ।सुख की सरकार केंद्र सरकार पर आपदा दौर में पर्याप्त आर्थिक मदद न दिए जाने का आरोप लगाती है ।भाजपा नेता सुख सरकार पर खर्च किए गए बजट का सही ब्यौरा न दिए जाने का आरोप लगाते हैँ। सुख की सरकार आगामी 2027 में होने बाले विधानसभा चुनावों समय महिलाओं को पंद्रह सौ रुपये देकर एक बार फिर सरकार रिपीट करने के सजवाग देख सकती इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है ।वर्तमान समय एक बार फिर बरसात का मौसम शुरु हो चुका है।

इस बार कुदरत का कहर किस तरह बरसता कोई नहीं जानता है ।पेट्रोल,डीजल की बढ़ती कीमतों कारण महंगाई चरम सीमा पर पहुँच गई है ।घरेलू खान,पान की बस्तुओं के दाम आसमान तक पहुंच गए हैँ ।उचित मूल्य की दुकानों में मिलने बाला सस्ता राशन अब महंगा हो रहा है ।आउटसोर्स पर रखी जा रही मित्रों की फौज पर उच्च न्यायलय ने रोक लगा दी है ।बेरोजगारी की बजह से युवा पीढ़ी अपने भविष्य को लेकर चिंतित है ।सरकार स्कूल शिक्षा बोर्ड धर्मशाला,अधीनस्थ चयन बोर्ड हमीरपुर माध्यम से टेट का एग्जाम लेकर खूब राजस्व कमा रही है ।बेचवाइस भर्ती प्रकिया शुरु न किए जाने से टेट पास करने बाले बेहद चिंतित हैं ।राज्य सरकार महिलाओं को स्पष्ट कहने की हिम्मत जुटाए की आर्थिक स्थिति बेहतर न होने कारण उन्हें पंद्रह सौ रुपये दिए जाना मुशिकल है ।पंद्रह सौ रुपये के लिए महिलाओं को कार्यलयों के लिए निरंतर चककर कटवाना।

मानव अपने नसीब का खाता हैं, किसी का दिया नहीं

दुनिया में सबसे बड़ी भ्रांति यही है कि कोई किसी को सब कुछ देगा। कोई रिश्तेदार आकर सहारा बन जाएगा, कोई परिचित आकर रास्ता खोल देगा, कोई मौका अपने आप दरवाजे पर दस्तक देगा। लोग उम्र भर इसी इंतजार में निकाल देते हैं कि कोई आकर उनकी तकदीर बदल दे। लेकिन हकीकत यह है कि मनुष्य जो पाता है, वह उसके अपने कर्म का फल होता है। किसी का दिया हुआ निवाला गले में अटकता है, लेकिन अपने परिश्रम से कमाया हुआ एक टुकड़ा भी अमृत लगता है।

नसीब कोई आकाश से टपकने वाली चीज नहीं है। नसीब वह रास्ता है जो आदमी खुद अपने पैरों से बनाता है। खेत में बीज डालो तो फसल उगती है, खाली हाथ बैठो तो मिट्टी भी हाथ नहीं लगती। यही नियम जीवन पर लागू होता है। जो लोग सुबह से शाम तक मेहनत करते हैं, वे धीरे-धीरे अपनी जमीन बनाते हैं। जो दूसरों के भरोसे बैठे रहते हैं, उनके हाथ में सिवाय निराशा के कुछ नहीं आता। नदी का पानी तभी आगे बढ़ता है जब वह खुद बहती है। जो पानी ठहर जाता है, वह सड़ जाता है। इंसान का जीवन भी वैसा ही है।

इतिहास गवाह है कि बड़े काम भी मेहनत से बने हैं और आलस से बिगड़ गए हैं। नालंदा और तक्षशिला जैसे विश्वविद्यालय रातों-रात नहीं बने थे। पीढ़ियों ने मेहनत करके ज्ञान की नींव रखी थी। जब आलस और लापरवाही आई तो सब राख हो गया। आज भी यही नियम चलता है। एक किसान का बेटा अगर दिन-रात पढ़ाई करे तो वह अधिकारी बन जाता है। एक दर्जी का लड़का अगर सुई-धागे में निपुण हो जाए तो उसका ब्रांड बन जाता है। एक मिस्त्री अगर अपना काम ईमानदारी से करे तो लोग उसे खुद ढूंढकर लाते हैं। किसी ने थाली में परोसकर नहीं दिया। खुद कमाया, खुद बनाया।

दूसरी तरफ, जिनको विरासत में सब कुछ मिला, वे भी अगर मेहनत छोड़ दें तो सब गंवा बैठते हैं। बड़े-बड़े घराने टूटते देखे हैं हमने। धन, पद, प्रतिष्ठा कुछ भी स्थायी नहीं रहता अगर उसके पीछे कर्म न हो। पैसा आता है तो अहंकार भी साथ लाता है। अहंकार मेहनत को मार देता है। और जहाँ मेहनत मर जाए, वहाँ नसीब भी मुंह मोड़ लेता है।

समाज में एक और बीमारी है। लोग दूसरों के सहारे जीना चाहते हैं। रिश्तेदार से मदद, परिचित से सिफारिश, किसी के भरोसे बैठे रहना। थोड़े दिन को काम चल भी जाए, लेकिन आदमी की रीढ़ टूट जाती है। वह भीख मांगने का आदी हो जाता है। भीख में मिला हुआ पैसा पेट भर सकता है, आत्मसम्मान नहीं भर सकता। आत्मसम्मान वही भरता है जो पसीने से कमाया हो। जब आदमी जानता है कि यह मकान, यह रोटी, यह इज्जत मैंने खुद बनाई है, तब उसकी चाल अलग होती है। उसकी आंखों में झुकाव नहीं, सीधा आत्मविश्वास होता है।

गांवों में एक बूढ़ा कहता था कि जिस थाली में खुद का पसीना गिरा हो, उसकी रोटी का स्वाद ही अलग होता है। बात छोटी है, लेकिन गहरी है। किसी के घर खाकर आओ तो मन में कहीं न कहीं दबाव रहता है। एहसान का बोझ हल्का नहीं होता। वह धीरे-धीरे आदमी को छोटा बना देता है। इसलिए जो लोग आत्मनिर्भर होते हैं, वे भले कम खाएं, पर चैन से सोते हैं।

इसका मतलब यह नहीं कि मदद लेना गलत है। मुसीबत में दोस्त, पड़ोसी मदद करें तो लेनी चाहिए। जीवन में अकेला कोई नहीं चल सकता। लेकिन मदद को सहारा नहीं, सीढ़ी बनाना चाहिए। सहारा आदमी को लंगड़ा बना देता है। सीढ़ी उसे ऊपर चढ़ाती है। जब आदमी खड़ा हो जाए तो उसे खुद चलना चाहिए। बार-बार हाथ फैलाने की आदत उसे कमजोर कर देती है। हाथ फैलाने वाला हमेशा झुका रहता है। और झुका हुआ आदमी कभी बड़ा नहीं होता।

आज युवा पीढ़ी के सामने सबसे बड़ा सवाल यही है। वे चाहते हैं कि सब कुछ तुरंत मिल जाए। काम, पैसा, इज्जत, शोहरत।

नरेन्द्र भारती
वरिष्ठ पत्रकार

लेकिन मेहनत करने को तैयार नहीं। सोशल मीडिया पर देखकर लगता है कि सब लोग रातों-रात आगे बढ़ गए। किसी ने एक वीडियो बना लिया और वायरल हो गया। किसी ने एक पोस्ट लिख दी और फॉलोअर बढ़ गए। लेकिन परदे के पीछे सालों की मेहनत छुपी होती है। जो लोग दिखाते नहीं, वे ही टिकते हैं। जो दिखावे में लग जाते हैं, वे जल्दी गिरते हैं। क्योंकि नींव कमजोर हो तो मकान कितना भी रंगीन हो, एक झटके में गिर जाता है।

एक उदाहरण लो। एक लड़का गांव से शहर आया। उसके पास न पैसा था, न पहचान। उसने एक ढाबे पर बर्तन धोने का काम शुरू किया। रात को पढ़ता था। धीरे-धीरे उसने अकाउंटिंग सीखी। आज उसकी अपनी कंपनी है। किसी ने उसे नहीं उठाया। उसने खुद को उठाया। दूसरी तरफ एक लड़का था जिसके पिता का बड़ा कारोबार था। वह सुबह तक सोता, दोस्तों के साथ घूमता। आज पिता का कारोबार बंद हो गया और वह दूसरों के यहाँ नौकरी मांग रहा है। फर्क सिर्फ मेहनत का है। नसीब कोसने से कुछ नहीं बदलता। कोसना सबसे आसान काम है। हालात को दोष दो, समय को दोष दो, भाग्य को दोष दो। लेकिन जब आदमी आईने के सामने खड़ा होता है तो सच यही दिखता है कि उसने खुद कितनी मेहनत की। अगर मेहनत की है तो नसीब भी साथ देता है। अगर नहीं की है तो नसीब भी मुंह फेर लेता है। नदी का पानी अगर बहता रहे तो रास्ता खुद बन जाता है। रुक जाए तो कीचड़ बन जाता है।

किसान जब बीज बोता है तो वह नहीं पूछता कि बारिश होगी या नहीं। वह अपना काम करता है। बारिश हो या न हो, बीज सड़ जाएगा तो फसल नहीं आएगी। यही बात जीवन पर लागू होती है। हम अपने हिस्से का काम करें। परिणाम अपने आप आएगा। परिणाम न आए तो भी मन में यह संतोष रहता है कि मैंने कोशिश पूरी की। कोशिश न करने वाले के पास पछतावे के सिवा कुछ नहीं बचता।

समाज में एक और चलन बढ़ रहा है। लोग शॉर्टकट ढूंढते हैं। सट्टा, जुआ, ठगी, झूठे वादे। लगता है कि एक बार में किस्मत बदल जाएगी। लेकिन शॉर्टकट का रास्ता हमेशा अंधेरा होता है। वह थोड़े दिन चमक देता है, फिर गड्ढे में गिरा देता है। जो लोग मेहनत के रास्ते चलते हैं, वे धीरे चलते हैं, लेकिन गिरते नहीं। उनकी कमाई में बरकत होती है। उनकी नींद में सुकून होता है।

इसलिए याद रखना चाहिए कि जीवन किसी की दया पर नहीं चलता। जीवन अपने कर्म पर चलता है। किसी का दिया हुआ थोड़े दिन के लिए राहत दे सकता है, लेकिन भविष्य नहीं बना सकता। भविष्य वही बनाता है जो सुबह उठकर खुद के लिए लड़ता है। जो गिरता है, संभलता है, फिर चलता है। जो हार मान लेता है, वह वहीं रुक जाता है।

एक और बात समझने की है। मेहनत सिर्फ शरीर की नहीं होती। दिमाग की मेहनत उससे भी बड़ी होती है। पढ़ना, सोचना, योजना बनाना, गलतियों से सीखना। जो लोग दिमाग चलाते हैं, वे हाथ से काम करने वालों से आगे निकल जाते हैं। लेकिन दिमाग भी तभी चलता है जब आदमी आलस छोड़ दे। टीवी, मोबाइल, बेकार की गपशप में समय बर्बाद करने वाला आदमी कभी आगे नहीं बढ़ता।

गांव का एक बढ़ई था। वह रोज सुबह उठकर औजार तेज करता। कहता था कि औजार कुंद रहेगा तो लकड़ी नहीं कटेगी। इंसान का दिमाग भी औजार है। अगर उसे रोज तेज न करो तो वह कुंद हो जाता है। पढ़ाई, अनुभव, मेहनत यही धार है।

आज प्रतियोगिता का जमाना है। दुनिया बहुत तेज भाग रही है। जो रुका, वह पिछड़ गया। इसलिए हर दिन कुछ नया सीखना जरूरी है। एक नया हुनर, एक नई भाषा, एक नया काम। जो खुद को अपडेट नहीं करता, वह बाजार से बाहर हो जाता है। बाजार किसी का इंतजार नहीं करता।

मानव अपने नसीब का खाता हैं। किसी का दिया हुआ थोड़े दिन के लिए पेट भर सकता है, लेकिन आत्मसम्मान नहीं दे सकता। और आत्मसम्मान के बिना जीवन अधूरा रहता है। जब आदमी खुद कमाता है तो उसकी आवाज में वजन होता है। उसकी बात सुनी जाती है। उसके फैसले का सम्मान होता है।

इसलिए उठो। अपने हिस्से का काम करो। किसी के भरोसे मत बैठो। जो मिला है, उसमें ईमानदारी से मेहनत करो। छोटा काम हो या बड़ा, उसे पूरी लगन से करो। धीरे-धीरे रास्ता बनेगा। नसीब भी उसी का साथ देता है जो खुद चलता है।

अंत में यही कहूँगा कि जीवन कोई लॉटरी नहीं है। यह मेहनत का हिसाब है। जो जितना लगाएगा, उतना पाएगा। किसी का दिया हुआ कभी स्थायी नहीं होता। अपना कमाया हुआ ही काम आता है। और वही इंसान को असली इज्जत देता है।

मलेश्वर महादेव मंदिर करसोग मंडी हिमाचल प्रदेश पौराणिक शिव मंदिर चमत्कारिक इतिहास और महाभारत काल से जुड़े रहस्यों के लिए प्रसिद्ध

काष्ठ और पैगोडा शैली- यह मंदिर अपनी अद्भुत लकड़ी की नक्काशी और पहाड़ी पैगोडा शैली की वास्तुकला के लिए पर्यटकों के आकर्षण का मुख्य केंद्र है। पत्थर और लकड़ी से निर्मित यह मंदिर एक ऊंचे चबूतरे पर बना है और इसकी छत चौकोर स्लेटों से बनी मेहराबदार है। इस मंदिर की संरचना को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) द्वारा संरक्षित किया गया है

हिमाचल प्रदेश के करसोग में स्थित ममलेश्वर महादेव मंदिर में रखे पौराणिक गेहूं के दाने का वजन लगभग 200 ग्राम से 250 ग्राम के बीच माना जाता है। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, यह दाना महाभारत काल (पांडवों के अज्ञातवास) का है और लगभग 5,000 साल पुराना है।

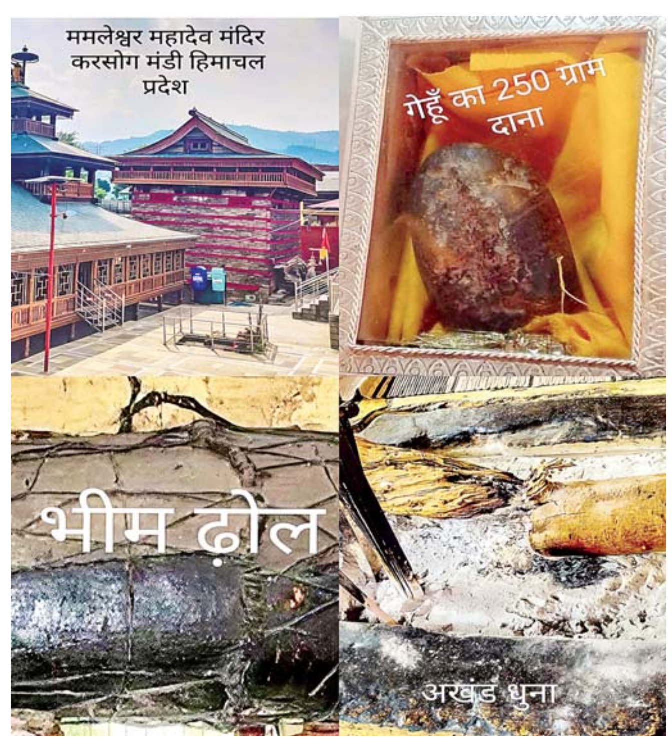

पांडवों ने की थी शिवलिंग की स्थापना

इसके अलावा मंदिर में स?थापित पांच शिवलिंगों के बारे में मान्यता है कि यह पांडवों ने ही यहां स?थापित किए हैं। मंदिर भी महाभारत काल ही बताया जाता है। ममलेश्वर महादेव के मंदिर भगवान शिव और मां पार्वती को समर्पित है। जिला मंडी के करसोग स्थित ममलेश्वर मंदिर जाने के लिए भक्त हिमाचल पहुंचकर मंडी और शिमला दोनों रास्तों से करसोग पहुंच सकते हैं। ममलेश्वर महादेव का मंदिर करसोग बस स्टैंड से सिर्फ दो किलोमीटर दूर है।

इस अग्नि कुंड/अखंड धुनें के पीछे एक कहानी है की जब पांडव अज्ञातवास में घूम रहे थे तो वे कुछ समय के लिए इस गाँव में रूके । तब इस गांव में एक राक्षस ने एक गुफा में डेरा जमाया हुआ था । उस राक्षस के प्रकोप से बचने के लिये लोगो ने उस राक्षस के साथ एक समझौता किया हुआ था कि वो रोज एक आदमी को खुद उसके पास भेजेंगें उसके भोजन के लिये जिससे कि वो सारे गांव को एक साथ ना मारे । एक दिन उस घर के लडके का नम्बर आया जिसमें पांडव रूके हुए थे । उस लडके की मां को रोता देख पांडवो ने कारण पूछा तो उसने बताया कि आज मुझे अपने बेटे को राक्षस के पास भेजना है । अतिथि के तौर पर अपना धर्म निभाने के लिये पांडवो में से भीम उस लडके की बजाय खुद उस राक्षस के पास गया । भीम जब उस राक्षस के पास गया तो उन दोनो में भयंकर युद्ध हुआ और भीम ने उस राक्षस को मारकर गांव को उससे मुक्ति दिलाई कहते है की भीम की इस विजय की याद में ही यह अखंड धुना चल रहा है।

ममलेश्वर मंदिर की अन्य विशेषता इसके परिसर में स्थित पांच शिवलिंग हैं। इन पांचों शिवलिंगों की उपस्थिति इस मंदिर को अनोखा बनाती है। यहां की पुरातात्विक खुदाई में कई अन्य प्राचीन मूर्तियाँ भी मिली हैं, जिनमें भगवान शिव और विष्णु की मूर्तियाँ शामिल हैं। ये मूर्तियाँ प्राचीन काल की मूर्ति कला की अनोखी झलक प्रस्तुत करती हैं और श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक अनुभव देती हैं।

मंदिर में पांच शिवलिंग हैं जिनके बारे में कहा जाता है कि इन्हें पांडवों ने स्थापित किया था। प्रत्येक शिवलिंग की अपनी विशेषता और पौराणिक महत्व है। इन शिवलिंगों की पूजा करने से भक्तों की मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

महादेव शिवलिंग: मुख्य शिवलिंग जिसकी पूजा सबसे अधिक की जाती है।

भीमेश्वर शिवलिंग- भीम के नाम पर रखा गया यह शिवलिंग शक्ति और बल का प्रतीक है।

अर्जुनेश्वर शिवलिंग: अर्जुन के नाम पर रखा गया यह शिवलिंग निपुणता और कौशल का प्रतीक है।

नकुलेश्वर शिवलिंग: नकुल के नाम पर रखा गया यह शिवलिंग सौंदर्य और आकर्षण का प्रतीक है।

सहदेवेश्वर शिवलिंग: सहदेव के नाम पर रखा गया यह

शिवलिंग ज्ञान और विवेक का प्रतीक है।

पास ही एक मंदिर जिसमे दी जाती थी नर बलि -इस मंदिर के पास एक प्राचीन विशाल मंदिर और है जो की सदियों से बंद पड़ा है माना जाता है कि इस मंदिर में प्राचीन समय में भूडा यज्ञ किया जाता था जिसमे की नर बलि भी दी जाती थी। तब भी इस मंदिर में केवल पुजारीयो को ही प्रवेश की अनुमति थी। अब भी इस मंदिर में केवल पुजारी वर्ग को ही जाने की आज्ञा है।

शशि पाल
प्रवक्ता इतिहास

अक्सर कहा जाता है कि यदि हमारा समाज स्वस्थ होगा तो हमारा राष्ट्र भी स्वस्थ होगा। विकसित भारत के दृष्टिकोण से भी सामाजिक स्वस्थता बेहद जरूरी मानी गई है। इसी कड़ी में देश एवं प्रदेश की सरकारें अहम भूमिका निभाती नजर आ रही हैं। इसके अंतर्गत कई तरह के जागरूक अभियान भी संचालित किए गए हैं, जिनके सफल संचालन से समाज मे रहने वाले हर वर्ग के व्यक्ति को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी सरलता से उपलब्ध करवाई जा सके। जिसके परिणामस्वरूप स्वस्थ एवं मजबूत समाज के साथ-साथ स्वस्थ देश का निर्माण किया जा सके। हालांकि कहने एवं सुनने में यह जितना सरल नजर आता है उतना सरल है नहीं।

पोषित बचपन, सशक्त भारत

आज भी हमारे समाज के कई ऐसे कोने हैं जहां जानकारी का अभाव यथावत बना हुआ है। नतीजन स्वाथ्य के प्रति जागरूकता की कमी नजर आने लगी है। जब तक देश का हर नागरिक पूरी तरह जागरूक नहीं होगा, तब तक देश में नए आयाम स्थापित करना आसान नहीं होगा। अब समय आ गया है कि सरकार द्वारा संचालित की जाने वाली विभिन्न योजनाओं की जानकारी एवं लाभ देश के हर नागरिक तक पहुंचाए जाएं जिससे देश का कोई भी कोना अछूता न रहे। वैसे तो सरकारी सभी योजनाएं सामाजिक दृष्टिकोण से समाज के हित में लागू की गई हैं किंतु यहां हम विशेष कर माताओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य संबंधी संचालित योजनाओं पर प्रकाश डालने का प्रयास करेंगे, जो किसी भी देश की उन्नति के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इसी संदर्भ में भारत देश में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा वर्ष 2018 में एक अति महत्वपूर्ण योजना का शुभारंभ किया गया जिसका नाम है पोषण अभियान। जी हां, पोषण अभियान जिसका मुख्य उद्देश्य गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं, किशोरियों और 0 से 6 वर्ष के बच्चों के पोषण स्तर में सुधार करना शामिल है जिससे देश के हर आम नागरिक के पोषण में कोई कमी न रहे। हांलांकि कुछ वर्षों बाद यानी वर्ष 2021 में पोषण 2.ह्व का शुभारंभ किया गया जिसके तहत कुपोषण को जड़ से मिटाने के प्रयासों को शामिल किया गया।

एनएफएचएस-6 के आंकड़े अनुसार 6 माह से कम तक केवल स्तनपान यानी एक्सक्लूसिव ब्रेस्टफीडिंग के स्तर में गिरावट नजर आई है। जी हां, एनएफएचएस-5 में जो आंकड़ा 63.7 था, अब एनएफएचएस-6 में वह आंकड़ा 55.8 तक नीचे आ पहुंचा है।

बहरहाल, आज क्यों हम पोषण अभियान के अंतर्गत विशेष कर माताओं और बच्चों की बात कर रहे हैं, आइए इस पर प्रकाश डालते हैं। दरअसल हाल ही में एनएफएचएस -6 यानी राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के आंकड़े केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी किए गए हैं। एनएफएचएस स्वास्थ्य, पोषण और महिला सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में आईआईपीएस यानी अंतर्राष्ट्रीय जनसंख्या विज्ञान संस्थान के सहयोग से कार्य करता है। इस बार यानी एनएफएचएस 6 का सर्वेक्षण एनएफएचएस 5 के आंकड़ों की तुलना में कुछ क्षेत्रों में राहत की खबर तो लेकर आया है लेकिन कई क्षेत्र यथावत चिंता का विषय बने हुए हैं। सर्वेक्षण के आंकड़े राज्यवार जारी किए जाते हैं जिससे किस राज्य में कौन से मुद्दे कितने गंभीर हैं इसका आंकलन आसानी से किया जा सके। खैर, यहां हम बच्चों के पोषण और उनके स्वास्थ्य संबंधी विषय पर प्रकाश डालने का प्रयास करेंगे जो इस सर्वेक्षण का एक मुख्य पहलू है।

शिवालिक अवस्थी

बच्चों के पोषण का चलन उनके गर्भ से ही शुरू हो जाता है। और वास्तविक पोषण जन्म उपरांत देखा जाता है। बच्चे के जन्म लेते ही 1 घण्टे के अंदर शिशु को माता द्वारा स्तनपान करवाना अति आवश्यक समझा जाता है। और स्तनपान का यह क्रम कम से कम 2 साल या उससे कुछ समय अधिक तक चलता रहता है। बात करें 6 माह तक कि तो 6 माह तक केवल मां का दूध ही बच्चे के पोषण में लाभदायक माना जाता है। एनएफएचएस-6 के आंकड़े अनुसार 6 माह से कम तक केवल स्तनपान यानी एक्सक्लूसिव ब्रेस्टफीडिंग के स्तर में गिरावट नजर आई है। जी हां, एनएफएचएस-5 में जो आंकड़ा 63.7 था, अब एनएफएचएस-6 में वह आंकड़ा 55.8 तक नीचे आ पहुंचा है। निश्चय ही यह चिंता का विषय है। और दूसरी तरफ 3 वर्ष से कम आयु के वे बच्चे जिन्हें जन्म के एक घंटे के भीतर स्तनपान कराने की स्थिति फिर भी थोड़ी संतोषजनक है। एनएफएचएस-5 में जो आंकड़ा 41.8 था वह एनएफएचएस-6 में जाकर 50.1 तक पहुंच गया है। इस क्षेत्र में भारी उछाल देखा गया है।

खैर, इसके अलावा 5 वर्ष तक के स्टनटिड यानी बौनेपन (मतलब आयु के हिसाब से लंबाई सामान्यत: औसत से काफी कम) बच्चों के अंकों में भी गिरावट नजर आई है। एनएफएचएस-5 में जो आंकड़ा 35.5 था वह एनएफएचएस-6 में गिरकर 29.3 तक जा पहुंचा है। यानी इसमें भारी गिरावट देखने को मिली है।

5 वर्ष से कम आयु के ऐसे बच्चे जिनकी लंबाई के अनुपात में वजन कम है वेस्टेड यानी क्षीण माने जाते हैं। ऐसे बच्चों में एनएफएचएस-6 की रिपोर्ट में थोड़ी सी गिरावट देखने को जरूर मिली है। एनएफएचएस-5 में ऐसे बच्चे जहां 19.3 आंकड़ों के साथ थे एनएफएचएस-6 में यह आंकड़ा 19 तक आ पहुंचा है। हालांकि, इसमें ज्यादा सुधार हुआ है ऐसा नहीं कहा जा सकता। इसके अलावा 5 वर्ष से कम आयु के ऐसे बच्चे जिनका लंबाई के अनुपात में वजन अत्यधिक कम है यानी गंभीर क्षीणता से जो बच्चे ग्रस्त हैं, ऐसे बच्चों के आंकड़ों में भी सुधार पाया गया है। एनएफएचएस-5 में ऐसे बच्चों का आंकड़ा 7.7 था और एनएफएचएस-6 में आंकड़े कम होकर 5.2 तक आ पहुंचे हैं। इसमें भी बेहतर सुधार देखने को मिला है। इसके उपरांत कम वजन (आयु के हिसाब से कम वजन वाले 5 साल से कम उम्र के बच्चे) और अधिक वजन (लंबाई के अनुपात में अधिक वजन वाले बच्चों) में भी हल्का सुधार देखने को मिला है। कम वजन वाले ऐसे बच्चों का आंकड़ा एनएफएचएस-5 में 32.1 था जो एनएफएचएस-6 में घटकर 31.8 रह गया है, जिसमें बेहतर सुधार नहीं हुआ है। इसके अलावा अधिक वजन वाले ऐसे बच्चों का आंकड़ा एनएफएचएस-5 में 3.4 से घटकर एनएफएचएस-6 में 1.3 रह गया है।

बहरहाल, इस सर्वेक्षण के अनुसार बच्चों के पोषण स्थिति में कहीं न कहीं सुधार भी देखा गया है और कहीं अभी भी स्थिति यथावत गंभीर बनी हुई है। एक्सक्लूसिव ब्रेस्टफीडिंग के स्तर में सुधार की बेहद आवश्यकता है जिसके लिए जरूरत है तो केवल जागरूकता की।

समाज जब तक जागरूक नहीं होगा तब तक कार्यालयों में बैठकर केवल रिपोर्टिंग करते रहने से काम नहीं चलेगा। इसके लिए धरातल पर सबको उतरना ही होगा। इसके लिए महिला एवं बाल विकास द्वारा संचालित किया गया पोषण अभियान सक्रिय भूमिका निभाते हुए नजर आता है। इस कड़ी को मजबूत बनाने में अन्य विभागों का योगदान भी अहम माना जाता है। निश्चित ही भविष्य में सभी पहलुओं पर प्रमुखता से ध्यान केंद्रित करते हुए पोषण स्थिति में और अधिक सुधार किए जाएंगे यह अपेक्षित रहेगा।

संक्षिप्त न्यूज

वीएसएलएम संस्कार भारती पब्लिक स्कूल चंडी में नशा मुक्ति पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

चंडी मेहलोग (तारा): वीएसएलएम संस्कार भारती पब्लिक स्कूल चंडी में विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के उद्येश्य से एंटी ड्रग जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर स्लोगन प्रतियोगिता, पेंटिंग प्रतियोगिता, एवं क्विज़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बच्चों ने अपने स्लोगन और चित्रों के माध्यम से समाज को नशे से दूर रहने का संदेश दिया । क्विज़ प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों के ज्ञान का भी परीक्षण किया ।

कार्यक्रम के अंत में सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने नशा मुक्त भारत के निर्माण हेतु नशा न करने ओर दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने की शपथ ली।

विद्यालय के प्रधानाचार्य चंद्र मोहन शर्मा ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम युवाओं में जागरूकता बढ़ाने और स्वस्थ समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। इस कार्यक्रम में दिनेश कुमारी,स्नेहलता, शोभा शर्मा,पंकज शर्मा,अनुप्रिया, पूजा, सरोज,नेहा, मीनाक्षी, और अंजू ठाकुर उपस्थित रहे।

बद्दी नगर निगम चुनाव से पहले बाहरी व्यक्तियों के सत्यापन एवं मतदाता सूची की हो जांच – डॉ. संदीप सचदेवा

बद्दी,(तारा):भाजपा विधि प्रकोष्ठ दून मंडल के संयोजक एवं पूर्व पार्षद डॉ. संदीप सचदेवा ने हिमाचल प्रदेश में बाहरी व्यक्तियों की बढ़ती आवाजाही, अवैध कब्जों और अवैध निर्माण के मामलों पर चिंता व्यक्त करते हुए प्रदेश सरकार, प्रशासन एवं चुनाव आयोग से व्यापक सत्यापन अभियान चलाने की मांग की है।डॉ. सचदेवा ने कहा कि

हिमाचल प्रदेश देवभूमि होने के साथ-साथ एक छोटा एवं पर्यावरणीय दृष्टि से संवेदनशील राज्य है, जिसकी सांस्कृतिक पहचान, प्राकृतिक विरासत एवं सामाजिक संतुलन को बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने मांग की कि प्रदेश में रह रहे किरायेदारों, अस्थायी निवासियों एवं अन्य बाहरी व्यक्तियों का नियमानुसार सत्यापन किया जाए तथा किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि में संलिप्त पाए जाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि बद्दी नगर निगम के आगामी चुनावों को देखते हुए मतदाता सूची की निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच की जानी चाहिए। डॉ. सचदेवा ने आरोप लगाया कि कुछ राजनीतिक दलों के लोग चुनावी लाभ प्राप्त करने के उद्देश्य से कथित रूप से फर्जी किरायानामों एवं अन्य दस्तावेजों के आधार पर अपात्र व्यक्तियों के नाम मतदाता सूची में दर्ज करवाने का प्रयास कर रहे हैं।

डॉ. सचदेवा ने चुनाव आयोग से मांग की कि इस पूरे मामले की जांच के लिए निष्पक्ष एवं स्वतंत्र टीमों का गठन किया जाए, जो मतदाता सूची में शामिल किए जा रहे सभी संदिग्ध मामलों एवं दस्तावेजों की गहन जांच करें। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की निष्पक्षता बनाए रखने के लिए यह अत्यंत आवश्यक है कि केवल वही लोग मतदाता सूची में शामिल हों जो नियमानुसार पात्र हों। उन्होंने कहा कि यदि बिना उचित जांच के अपात्र व्यक्तियों के नाम मतदाता सूची में शामिल किए जाते हैं, तो यह लोकतांत्रिक व्यवस्था की पवित्रता और स्थानीय नागरिकों के अधिकारों पर आघात होगा। उन्होंने प्रशासन एवं चुनाव अधिकारियों से निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की। डॉ. संदीप सचदेवा ने कहा कि बद्दी और हिमाचल प्रदेश की सुरक्षा, विकास, सांस्कृतिक पहचान एवं सामाजिक सौहार्द को बनाए रखने के लिए पारदर्शी व्यवस्था और कानून का समान रूप से पालन होना आवश्यक है।

पीएम स्वनिधि योजना के छह वर्ष पूर्ण होने पर बिलासपुर में आयोजित हुआ स्वनिधि महोत्सव

बिलासपुर, (जितेंद्र गौतम) - प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना के सफलतापूर्वक छह वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में नगर परिषद द्वारा आज टाउन हॉल बिलासपुर में स्वनिधि महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सहायक आयुक्त बिलासपुर राजकुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस अवसर पर सहायक आयुक्त ने कहा कि पीएम स्वनिधि योजना कोविड-19 महामारी के दौरान प्रभावित हुए रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं के लिए वरदान साबित हुई है। योजना के माध्यम से लाखों स्ट्रीट वेंडर्स को बिना गारंटी कार्यशील पूंजी ऋण उपलब्ध करवाया गया है, जिससे उनके रोजगार और आजीविका को मजबूती मिली है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल ऋण उपलब्ध करवाना ही नहीं, बल्कि स्ट्रीट वेंडर्स को वित्तीय रूप से सशक्त बनाकर उन्हें विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से भी जोड़ना है। नगर परिषद बिलासपुर के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी ने योजना की उपलब्धियों और विभिन्न गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि पीएम स्वनिधि योजना के अंतर्गत स्ट्रीट वेंडर्स को कार्यशील पूंजी ऋण, सात प्रतिशत ब्याज अनुदान, डिजिटल लेन-देन पर कैशबैक तथा क्रेडिट कार्ड जैसी सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि 'पीएम स्वनिधि से समृद्धि' पहल के माध्यम से लाभार्थियों और उनके परिवारों को विभिन्न सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याणकारी योजनाओं से भी जोड़ा जा रहा है। इस अवसर पर डिजिटल लेन-देन, ऋण अनुशासन तथा योजना के विभिन्न चरणों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्ट्रीट वेंडर्स, स्वयं सहायता समूहों, बैंकों और अधिकारियों को सम्मानित किया गया। साथ ही लाभार्थियों को पहचान पत्र, क्रेडिट कार्ड तथा अन्य प्रमाण-पत्र भी वितरित किए गए। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी आकर्षण का केंद्र रहीं।

चुवाड़ी छिंज मेले के विकास को मिलेगा हरसंभव सहयोग : कुलदीप सिंह पठानिया

विधानसभा अध्यक्ष ने छिंज मेला आयोजन समिति को दिए 1.21 लाख रुपये, लोक संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण में मेलों की अहम भूमिका : पठानिया

» प्रथम न्यूज । चुवाड़ी (चंबा)

24 जून (एएम नाथ)

भटियात उपमंडल मुख्यालय चुवाड़ी में आयोजित पारंपरिक छिंज मेला बुधवार को हर्षोल्लास और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने मेले की अध्यक्षता करते हुए आयोजन समिति और क्षेत्रवासियों को सफल आयोजन के लिए बधाई दी। इस दौरान क्षेत्र के लोगों ने देश के विभिन्न हिस्सों से आए नामी पहलवानों के रोमांचक कुश्ती मुकाबलों का भरपूर आनंद लिया।

विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने कहा कि हिमाचल प्रदेश की समृद्ध लोक संस्कृति, परंपराएं और रीति-रिवाज सामाजिक जीवन की अमूल्य धरोहर हैं। उन्होंने कहा कि मेले, उत्सव और त्योहार न केवल हमारी सांस्कृतिक पहचान को सशक्त बनाते हैं, बल्कि समाज में भाईचारे, आपसी सद्भाव और मेलजोल को भी बढ़ावा देते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों के माध्यम से नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का अवसर मिलता है।

पठानिया ने दंगल प्रतियोगिता की प्रथम पुरस्कार राशि को बढ़ाकर एक लाख 21 हजार रुपये किए जाने के निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि इससे खिलाड़ियों और पहलवानों का उत्साह बढ़ेगा।

उन्होंने कहा कि आयोजन समिति द्वारा मेले के स्वरूप को और भव्य बनाने के लिए दिए जाने वाले प्रस्तावों पर सकारात्मक विचार किया जाएगा और भविष्य में भी इस ऐतिहासिक मेले के विकास के लिए हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष ने अपनी ऐच्छिक निधि से छिंज मेला आयोजन समिति को 1 लाख 21 हजार रुपये देने की घोषणा की। साथ ही उन्होंने गत वर्ष की घोषणा के अनुरूप समिति को 1 लाख 10 हजार रुपये की राशि का चेक भी भेंट किया। आयोजन समिति ने उनके सहयोग और संरक्षण के लिए उन्हें सम्मानित भी किया। कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव राजीव कौशल, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष विजय कंवर, नगर पंचायत उपाध्यक्ष सुरेंद्र चाढक, राज्य सहकारी बैंक के निदेशक मंडल सदस्य राजकुमार चम्बियाल, अधिशासी अभियंता राकेश ठाकुर, नरेंद्र चौधरी, मेला आयोजन समिति के अध्यक्ष अरविंद पाठक, केके शांडिल्य, ओंकार चम्बियाल सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

शहर से गांव तक मजबूत होगी पेयजल, सिंचाई और सीवरेज व्यवस्था - मुकेश अग्निहोत्री

पेयजल परियोजनाओं के लिए 1 करोड़ जारी करने की घोषणा

» प्रथम न्यूज । शिमला

24 जून (बी.शर्मा)

उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने आज परिधि गृह रोहड़ू में जल शक्ति विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर रोहड़ू विधानसभा क्षेत्र में चल रही विभिन्न पेयजल, सिंचाई एवं सीवरेज परियोजनाओं की प्रगति का विस्तृत जायजा लिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार का मुख्य उद्देश्य शहरी क्षेत्रों के साथ-साथ दूरदराज एवं ग्रामीण क्षेत्रों तक बेहतर पेयजल, सिंचाई तथा सीवरेज सुविधाएं पहुंचाना है। इसके लिए सरकार निरंतर कार्य कर रही है तथा आवश्यक संसाधन उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। बैठक में उपमुख्यमंत्री ने विशेष रूप से राज्य मद के अंतर्गत रोहड़ू मंडल में प्रगति पर चल रही 43 पेयजल योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से क्षेत्र के हजारों लोगों को बेहतर एवं नियमित पेयजल सुविधा उपलब्ध होगी।परियोजनाओं के शीघ्र क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए उन्होंने तत्काल 1 करोड़ रुपये जारी करने की घोषणा की तथा अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी परियोजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर निर्धारित समयसीमा के भीतर पूरा किया जाए।

रोहड़ू शहर की एसटीपी परियोजना पर भी विस्तार से हुई चर्चा

बैठक के दौरान रोहड़ू शहर की सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) परियोजना पर भी विस्तार से चर्चा की गई। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि रोहड़ू एसटीपी के संवर्धन के लिए लगभग 41 करोड़ रुपये का परियोजना प्राक्कलन तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि रोहड़ू शहर के लिए एक सुदृढ़ एवं आधुनिक सीवरेज व्यवस्था अत्यंत आवश्यक है और इस दिशा में आवश्यक कार्यवाही कर बजट का प्रावधान किया जाएगा, ताकि स्थानीय लोगों को बेहतर स्वच्छता सुविधाएं उपलब्ध हो सके।

उपमुख्यमंत्री ने बताया कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत रोहड़ू मंडल में स्वीकृत 56 में से 50 परियोजनाएं पूर्ण की जा चुकी हैं, जबकि 6 परियोजनाओं पर कार्य प्रगति पर है। इन परियोजनाओं पर लगभग 142 करोड़ रुपये व्यय किए जा रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शेष परियोजनाओं को भी शीघ्र पूरा कर प्रत्येक घर तक स्वच्छ पेयजल उपलब्ध करवाने के लक्ष्य को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए।

बैठक में प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अंतर्गत चल रही परियोजनाओं की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों ने अवगत करवाया कि कुल 11 परियोजनाओं में से 9 पूर्ण हो चुकी हैं, जबकि 2 परियोजनाओं पर कार्य जारी है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से किसानों को बेहतर सिंचाई सुविधाएं उपलब्ध होंगी तथा कृषि उत्पादन में वृद्धि होगी। इस दौरान रोहड़ू जल शक्ति मंडल में बढ़ते कार्यभार को देखते हुए 3 एसडीओ तथा 7 कनिष्ठ अभियंताओं के पदों की आवश्यकता का विषय भी उपमुख्यमंत्री के समक्ष उठाया गया। उपमुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि विभागीय कार्यों को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए इन पदों को भरने की दिशा में आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि विभागीय अधिकारियों द्वारा नमामि गंगे योजना के अंतर्गत रोहड़ू, चिड़गांव एवं हाटकोटी के लिए 41 करोड़ 55 लाख रुपये की लागत से प्रस्तावित सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट परियोजना का प्राक्कलन प्रस्तुत किया गया है। इसके अतिरिक्त रोहड़ू एसटीपी के उन्नयन तथा रोहड़ू जलापूर्ति योजना के संवर्धन के लिए 65 करोड़ 70 लाख रुपये तथा चिड़गांव में जलापूर्ति एवं सीवरेज प्रणाली के संवर्धन हेतु 51 करोड़ 02 लाख रुपये की परियोजनाओं के प्राक्कलन भी विभाग द्वारा प्रस्तुत किए गए हैं।

उन्होंने इन सभी परियोजनाओं पर प्राथमिकता के आधार पर उचित कार्यवाही करने का आश्वासन दिया।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में जल प्रबंधन प्रणाली को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी परियोजनाओं की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए तथा गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न किया जाए। बैठक में विधायक रोहड़ू मोहन लाल ब्राक्टा, हिमफैड के अध्यक्ष महेश्वर सिंह चौहान, प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष छतर सिंह ठाकुर, उपमंडलाधिकारी (नागरिक) रोहड़ू धर्मेश रामौत्रा, डीएसपी रोहड़ू प्रणव चौहान तथा जल शक्ति विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

20 करोड़ की लागत से बने खजूरना पुल का सांसद सुरेश कश्यप ने किया लोकार्पण

» प्रथम न्यूज । नाहन

24 जून (बी.शर्मा)

भाजपा नेता एवं सांसद सुरेश कश्यप ने आज नाहन-पांवटा साहिब राष्ट्रीय राजमार्ग (NH-07) पर मारकंडा नदी के ऊपर लगभग 20 करोड़ की लागत से निर्मित 180 मीटर लंबे खजूरना पुल का विधिवत लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह पुल जिला सिरमौर और विशेष रूप से देहरादून आने-जाने वाले यात्रियों, पर्यटकों एवं स्थानीय लोगों के लिए सुरक्षित, सुगम और तेज़ आवागमन सुनिश्चित करेगा।

सुरेश कश्यप ने कहा कि वर्ष 2022 में प्रारंभ हुई इस महत्वाकांक्षी परियोजना को लगभग तीन वर्षों में पूर्ण कर जनता को समर्पित किया गया है। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व और मार्गदर्शन में प्रदेश में आधारभूत ढांचे के विकास को नई गति मिली है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में हिमाचल प्रदेश में लगभग ?22,190 करोड़ की लागत से 35 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं पर कार्य चल रहा है, जिनकी कुल लंबाई लगभग 545 किलोमीटर है। वहीं वर्ष 2014-15 से 2025-26 के बीच प्रदेश में ?14,172 करोड़ के निवेश से लगभग 10,160 किलोमीटर लंबी 160 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं पूर्ण की गई हैं। सांसद कश्यप ने कहा कि पहाड़ी राज्य होने के कारण हिमाचल में सड़क संपर्क विकास की सबसे बड़ी आवश्यकता है और केंद्र सरकार इस दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि उनके संसदीय क्षेत्र में कालका-शिमला फोरलेन परियोजना तेजी से प्रगति पर है, जबकि पांवटा साहिब से हट्टी तक लगभग ?1,426 करोड़ की लागत से निर्मित ग्रीन कॉरिडोर राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना का कार्य भी अंतिम चरण में है।

उन्होंने यह भी बताया कि केंद्र सरकार ने सीआरएफ के तहत डेहरी-पुर्जगा सड़क के लिए ?205 करोड़ की राशि स्वीकृत की है। इसके अतिरिक्त पिंजौर-बद्दी फोरलेन परियोजना में आए व्यवधानों को दूर कर शीघ्र कार्य पुन: आरंभ किया जाएगा ताकि क्षेत्र की जनता को इसका लाभ मिल सके।

सुरेश कश्यप ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सड़क, रेल और अन्य आधारभूत संरचना के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन देखने को मिला है। देशभर में आधुनिक सड़क नेटवर्क का तेजी से विस्तार हुआ है, जिसका लाभ हिमाचल प्रदेश सहित देश के प्रत्येक क्षेत्र को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार विकास, सुशासन और जनकल्याण के संकल्प के साथ प्रदेश और जिला सिरमौर के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है।

समग्र शिक्षा के सामाजिक अंकेक्षण की जनसुनवाई संपन्न, प्राप्त सुझाव सरकार को भेजे जाएंगे

» प्रथम न्यूज । बिलासपुर

24 जून (जितेंद्र गौतम)

समग्र शिक्षा योजना के अंतर्गत शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता, जवाबदेही तथा सामुदायिक सहभागिता को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से मल्टीपर्पज कल्चरल कॉम्प्लेक्स, बिलासपुर में सामाजिक अंकेक्षण (सोशल ऑडिट) की जनसुनवाई आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता उपनिदेशक उच्च शिक्षा (गुणवत्ता) निशा गुप्ता ने की।

जनसुनवाई में शिक्षा विभाग के अधिकारियों, स्कूल प्रबंधन समिति के सदस्यों, शिक्षकों, अभिभावकों, जनप्रतिनिधियों तथा अन्य हितधारकों ने भाग लिया। इस दौरान समग्र शिक्षा योजना के क्रियान्वयन, स्कूलों में उपलब्ध सुविधाओं तथा शिक्षा की गुणवत्ता से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई और प्रतिभागियों से सुझाव एवं शिकायतें प्राप्त की गईं।

उन्होंने बताया कि सामाजिक अंकेक्षण शिक्षा व्यवस्था को अधिक प्रभावी एवं उत्तरदायी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने प्रतिभागियों से शिक्षा से संबंधित समस्याओं, सुझावों एवं शिकायतों को लिखित रूप में प्रस्तुत करने का आग्रह किया ताकि उन्हें उचित स्तर पर विचारार्थ भेजा जा सके।

इस अवसर पर रिसोर्स पर्सन एवं प्रधानाचार्य-अन्वेषक डॉ. रणधीर रंटा ने सामाजिक अंकेक्षण की प्रक्रिया तथा उसके निष्कर्षों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सामाजिक अंकेक्षण के अंतर्गत जिले के लगभग 20 प्रतिशत विद्यालयों का निरीक्षण किया गया है तथा निरीक्षण के आधार पर तैयार रिपोर्ट जनसुनवाई के दौरान प्रस्तुत की गई। उन्होंने विद्यालयों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर प्रतिभागियों के साथ संवाद किया तथा उनके प्रश्नों एवं जिज्ञासाओं का समाधान किया।

उन्होंने बताया कि जनसुनवाई के दौरान प्राप्त सुझावों, शिकायतों एवं अभिमतों का संकलन कर विस्तृत प्रतिवेदन तैयार किया जाएगा, जिसे आवश्यक कार्रवाई एवं नीति निर्माण के लिए सरकार को भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि सामाजिक अंकेक्षण का उद्देश्य योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के साथ-साथ शिक्षा व्यवस्था में जनभागीदारी को बढ़ावा देना है।

कार्यक्रम में मीडिया कोऑर्डिनेटर नागेंद्र, ऑब्जर्वर राकेश कुमार, वित्त अधिकारी देवांश सलोत्रा, उप-प्रधानाचार्य कुलदीप शर्मा, कार्यक्रम समन्वयक सोमदत्त, मीडिया कोऑर्डिनेटर दिग्विजय मल्होत्रा, पूर्व-प्राथमिक शिक्षा समन्वयक अतुल शर्मा तथा रीता कुमारी सहित विभिन्न अधिकारी एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

एचआरटीसी कर्मचारियों पर एस्मा लगाने से भड़के जयराम

दिहाड़ी पर ड्राइवर भर्ती यात्रियों की जान से खिलवाड़, सरकार जवाब दे : जयराम

» प्रथम न्यूज । शिमला

24 जून (एएम नाथ)

नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने एचआरटीसी कर्मचारियों पर आवश्यक सेवा अनुरक्षण अधिनियम (एस्मा) लागू किए जाने के फैसले को लेकर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू और प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार बदले की भावना से काम कर रही है और कर्मचारियों की जायज मांगों को दबाने का प्रयास कर रही है।

जयराम ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री लगातार कर्मचारियों और जनता के बीच गलत तथ्य प्रस्तुत कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जब एक कर्मचारी ने सार्वजनिक रूप से मुख्यमंत्री के दावों की वास्तविकता सामने रखी, तो सरकार ने नाराज होकर कर्मचारियों पर एस्मा लागू कर दिया। उन्होंने कहा कि यह कदम लोकतांत्रिक अधिकारों को कुचलने और कर्मचारियों की आवाज दबाने का प्रयास है।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि कांग्रेस सरकार स्वयं को कर्मचारी हितैषी बताती है, लेकिन हकीकत इसके बिल्कुल विपरीत है। प्रदेश में कर्मचारी, युवा, किसान और विभिन्न वर्ग अपनी मांगों को लेकर लगातार सड़कों पर उतरने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि सरकार संवाद और समाधान के बजाय दमनकारी रवैया अपना रही है।

एचआरटीसी कर्मचारियों की हड़ताल के बीच सरकार द्वारा की जा रही अस्थायी भर्तियों पर भी जयराम ठाकुर ने सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जल्दबाजी में दिहाड़ी आधार पर ड्राइवरों की नियुक्ति करना यात्रियों की सुरक्षा के साथ गंभीर खिलवाड़ है। सार्वजनिक परिवहन जैसी महत्वपूर्ण सेवा में प्रशिक्षित और अनुभवी चालकों की आवश्यकता होती है, ऐसे में बिना पर्याप्त प्रक्रिया अपनाए की जा रही भर्तियां चिंता का विषय हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार को कर्मचारियों की मांगों पर संवेदनशीलता के साथ विचार करना चाहिए और टकराव का रास्ता छोड़कर बातचीत के माध्यम से समाधान निकालना चाहिए। जयराम ठाकुर ने एचआरटीसी कर्मचारियों की मांगों का समर्थन करते हुए कहा कि भाजपा उनके अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए उनके साथ खड़ी है।

मंजू शर्मा बनीं भावगुड़ी स्कूल प्रबंधन समिति की अध्यक्ष

» प्रथम न्यूज । बद्दी

24 जून (गुरजीत सिंह)

दून विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत भावगुड़ी के अंतर्गत राजकीय उच्च पाठशाला भावगुड़ी में स्कूल प्रबंधन समिति (एसएमसी) के गठन के लिए बैठक आयोजित की गई। बैठक में अभिभावकों, अध्यापकों एवं स्थानीय लोगों ने भाग लिया। बैठक के दौरान सर्वसम्मति से मंजू शर्मा को स्कूल प्रबंधन समिति का अध्यक्ष चुना गया। वहीं समिति की कार्यकारिणी में राजेंद्र कुमार, शेर सिंह, रुक्मणी गुप्ता, लोकेश्वरी गुप्ता, कुंता गुप्ता, उर्मिला ठाकुर, हिमराम तथा कांता देवी को सदस्य बनाया गया।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष मंजू शर्मा ने विद्यालय के सर्वांगीण विकास, विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध करवाने तथा अभिभावकों और स्कूल प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के लिए कार्य करने का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि समिति विद्यालय की आवश्यकताओं को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने का प्रयास करेगी।

वैभव सूर्यवंशी पर इंग्लैंड में लगा अनोखा नियम!
टीम इंडिया के साथ शेयर नहीं कर पाएंगे ड्रेसिंग रूम

वैभव सूर्यवंशी पिछले कुछ महीनों से लगातार चर्चा में हैं। उन्होंने घरेलू क्रिकेट के बाद आईपीएल 2026 में तहलका मचाया। श्रीलंका में खेली गई ट्राई सीरीज के फाइनल में वैभव ने 29 गेंदों पर 94 रन कूट दिए थे। वैभव ने 11 गेंदों पर फिफ्टी पूरी की थी। अब वैभव इंटरनेशनल डेब्यू के लिए तैयार हैं।

आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए वैभव को भारतीय स्क्वॉड में चुना गया है। बेलफास्ट में 26 जून को अगर वैभव को डेब्यू कैप मिलती है तो वह सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ देंगे। इसके साथ ही वह सबसे कम उम्र में इंटरनेशनल डेब्यू करने वाले भारतीय बन जाएंगे।

अलग चेंजिंग रूम होगा

आयरलैंड में 2 टी20 खेलने के बाद भारतीय टीम 5 टी20 और 3 वनडे मैचों की सीरीज के लिए इंग्लैंड जाएगी। इंग्लैंड में 1 जुलाई से टी20 सीरीज का आगाज होगा। द गार्डियन की एक रिपोर्ट के अनुसार, सुरक्षा नियमों की वजह से सूर्यवंशी को पूरे दौरे के दौरान एक अलग चेंजिंग रूम का इस्तेमाल करना होगा। ICC के नियमों और इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ECB) की पॉलिसी के तहत 16 साल से कम उम्र के प्लेयर को सीनियर खिलाड़ियों के साथ चेंजिंग रूम शेयर करने की इजाजत नहीं है।

इसलिए, हर वेन्यू पर खास इंतजाम किए जाएंगे और ECB, BCCI के साथ मिलकर यह पक्का करेगा कि सभी नियमों का पालन हो। सूर्यवंशी के माता-पिता भी दौरे के दौरान उनके साथ रहेंगे और टीम के साथ ही होटल में ठहरेंगे। उनकी कम उम्र को देखते हुए उन्हें यह खास छूट दी गई है।

भारत में ऐसा नियम नहीं

ECB ने द गार्डियन को बताया, यह एक ICC इवेंट है और अधिकार क्षेत्र ICC का है, इसलिए उनके सुरक्षा से जुड़े नियम लागू होंगे। इवेंट के दौरान सुरक्षा से जुड़ी किसी समस्या को कुछ मामलों में ICC संभाल सकता है। इसके अलावा ECB की सेफ हैंड्स पॉलिसी हर समय लागू रहेगी। क्रिकेट रेगुलेटर, भारतीय टीम के लिए नियुक्त टीम लाइन ऑफिसर के संपर्क में है ताकि खिलाड़ी केच में रहने के दौरान जरूरतों पर चर्चा की जा सके। इंग्लिश स्पोर्ट्स में 16 साल से कम उम्र के खिलाड़ियों के लिए अलग चेंजिंग रूम होना एक आम बात है। हालांकि, भारत में ऐसा कोई नियम नहीं है। सूर्यवंशी ने अपने IPL सीजन के दौरान राजस्थान रॉयल्स के साथियों के साथ फैसिलिटी शेयर की थीं।

'पूरी तरह से सम्मान की हकदार', हॉकी इंडिया ने सविता पूनिया को पद्म श्री मिलने पर दी बधाई

हॉकी इंडिया ने अनुभवी गोलकीपर सविता पूनिया को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु द्वारा भारत के चौथे सबसे बड़े नागरिक पुरस्कार पद्म श्री से सम्मानित किए जाने पर बधाई दी।

इस उपलब्धि का जश्न मनाते हुए, हॉकी इंडिया ने सविता को भारतीय खेल का सच्चा आइकन बताया और कहा कि यह सम्मान एक दशक से ज्यादा समय से भारतीय हॉकी में उनके बहुत बड़े योगदान को सही पहचान देता है। हॉकी इंडिया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, एक सच्चे आइकन के लिए पद्म श्री। भारतीय महिला हॉकी की दिग्गज खिलाड़ी सविता को भारतीय खेलों में उनके शानदार योगदान के लिए माननीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से पद्म श्री मिला। एक खिलाड़ी के लिए यह बहुत बड़ा सम्मान है, जिसने एक दशक से ज्यादा समय तक भारत के गोल पोस्ट की रक्षा की है, और अपनी बेहतरीन प्रतिभा, हिम्मत और लीडरशिप से लाखों लोगों को प्रेरित किया है। इस बड़े सम्मान पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए भावुक सविता ने 'आईएएनएस' को बताया कि यह अवॉर्ड न केवल उनके लिए बल्कि उनके परिवार और टीम के साथियों के लिए भी बहुत गर्व की बात है, जो उनके इस सफर में उनके साथ खड़े रहे। सविता ने कहा, मुझे बहुत अच्छा लग रहा है क्योंकि यह अपने आप में एक बहुत बड़ा अवॉर्ड है। जब मैंने हॉकी खेलना शुरू किया, तो मैंने कभी नहीं सोचा था कि मेरा सफर इतना लंबा होगा और मुझे इतना बड़ा व्यक्तिगत सम्मान मिलेगा। यह मेरे, मेरे परिवार और मेरी टीम के लिए बहुत बड़ी बात है। अपने करियर के दौरान आई चुनौतियों के बारे में बताते हुए उन्होंने मुश्किल समय से उबरने में मदद करने का श्रेय अपने परिवार को दिया। उन्होंने आगे कहा, ऐसे कई हालात थे जब मुझे लगा कि मुझे खेलना बंद करना पड़ेगा। हालांकि, मेरे परिवार के सपोर्ट की वजह से मैंने अपना हॉकी का सफर जारी रखा। आज मेरा परिवार मेरे साथ है, और सब बहुत खुश हैं। एक मिडिल-क्लास परिवार की लड़की होने के नाते, अपने माता-पिता से इतना सपोर्ट मिलना बहुत खास लगता है। सविता ने कहा कि उनका सफर देश भर की युवा लड़कियों के लिए प्रेरणा का काम करेगा। उन्होंने कहा, सभी के लिए एक अच्छा उदाहरण सेट होता है कि अगर सविता यह कर सकती है, तो हमारी लड़कियां भी कर सकती हैं। यह बहुत अच्छा लगता है। अगर आप किसी भी फील्ड में हैं, तो आपमें पैशन, डेडिकेशन और सब्र होना चाहिए।

आज की पीढ़ी जल्दी नतीजे चाहती है, लेकिन स्पोर्ट्स में आपको कई चुनौतियों और संघर्षों का सामना करना पड़ता है। चोटें खेल का एक बड़ा हिस्सा हैं। सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं है। आपको सब्र रखना होगा और कड़ी मेहनत करनी होगी। भारतीय हॉकी इतिहास की सबसे कामयाब गोलकीपरों में से एक, सविता ने 20 साल की उम्र में सीनियर इंटरनेशनल डेब्यू किया और तब से दुनिया की सबसे बेहतरीन गोलकीपरों में अपनी जगह बनाई। 2025 में वह पीआर श्रीजेश के बाद 300 इंटरनेशनल कैप पूरे करने वाली दूसरी भारतीय गोलकीपर बनीं, जिससे उनके लंबे समय तक खेलने और सबसे ऊंचे स्तर पर बेहतरीन प्रदर्शन का पता चलता है।

आषाढ़ नाग मेला क्षेत्र की धार्मिक एवं सांस्कृतिक आस्था का प्रतीक : कुलदीप सिंह पठानिया

लोक संस्कृति और भाईचारे को मजबूत करते हैं ऐसे मेले : विधानसभा अध्यक्ष, बनीखेत में आषाढ़ नाग मेले का समापन, विधानसभा अध्यक्ष रहे मुख्य अतिथि

» प्रथम न्यूज । बनीखेत (चंबा)
24 जून (एएम नाथ)

जिला स्तरीय आषाढ़ नाग मेले का समापन समारोह मंगलवार को बनीखेत में श्रद्धा और उत्साह के साथ आयोजित किया गया। समारोह में हिमाचल प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने मेले के सफल आयोजन के लिए आयोजन समिति और क्षेत्रवासियों को बधाई दी।

कुलदीप सिंह पठानिया ने कहा कि भूरू नाग मंदिर क्षेत्र की आस्था का प्रमुख केंद्र है और यहां आयोजित होने वाला आषाढ़ नाग मेले का विशेष धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व है। उन्होंने कहा कि यह मेला स्थानीय परंपराओं, लोक संस्कृति और सामाजिक एकता का प्रतीक बन चुका है।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि देवभूमि और वीरभूमि हिमाचल प्रदेश अपनी समृद्ध लोक कला, संस्कृति और परंपराओं के कारण देश-विदेश में विशिष्ट पहचान रखता है। उन्होंने कहा कि ऐसे मेले और उत्सव समाज में भाईचारे, सामाजिक सद्भाव और सांस्कृतिक मूल्यों को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। साथ ही यह आयोजन नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का भी माध्यम हैं। इससे पूर्व कुलदीप सिंह पठानिया ने भूरू नाग मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। समापन समारोह के दौरान एसडीएम डलहौजी एवं मेला आयोजन समिति के अध्यक्ष अनिल भारद्वाज ने विधानसभा अध्यक्ष को शॉल, हिमाचली टोपी और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव राजीव कौशल, डीएसपी मयंक शर्मा, अधीक्षण अभियंता जीत सिंह ठाकुर, राजेश मोगरा, तहसीलदार रमेश चौहान, अधिशासी अभियंता पंकज राठौर, अतुल शर्मा, देवेंद्र राणा, नगर परिषद की वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी राखी कौशल सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य व्यक्ति एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

वोटर सूचियों के विशेष पुनरीक्षण के लिए गुरदासपुर जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में एडिशनल सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नियुक्त

गुरदासपुर (संदीप सन्नी) : भारत चुनाव आयोग से प्राप्त पत्र के अनुसार, गुरदासपुर जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में वोटर सूचियों के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन यानी विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य को सुचारू और समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए एडिशनल असिस्टेंट इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर्स की नियुक्ति की गई है। इस संबंध में जानकारी देते हुए डिप्टी कमिश्नर-कम-जिला चुनाव अधिकारी, गुरदासपुर आदित्य उप्पल ने जिले के सभी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे नवनियुक्त सभी एडिशनल एईआरओ को चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशों से अच्छी तरह अवगत करवाएं और समय-समय पर सौंपे जाने वाले चुनावी कार्यों का निपटारा सुनिश्चित करने के लिए उन्हें पाबंद करें। जिला चुनाव अधिकारी ने सभी नवनियुक्त अधिकारियों को हिदायत दी है कि वे अपने संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के साथ निरंतर तालमेल बनाकर तय समय सीमा के भीतर काम पूरा करना सुनिश्चित करें।

विधानसभा क्षेत्र वार नियुक्त किए गए अधिकारियों का विवरण

विभिन्न विधानसभा हलकों में जिन विभागों के अधिकारियों को यह अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपी गई है, उनका विवरण इस प्रकार है-

1. **गुरदासपुर विधानसभा क्षेत्र (04) :** एक्सईएन वॉटर सप्लाई व सैनिटेशन गुरदासपुर; उप-मंडलीय अधिकारी यू.बी.डी.सी. माधोपुर डिवीजन गुरदासपुर; उप-मंडलीय अधिकारी वॉटर सप्लाई व सैनिटेशन गुरदासपुर; उप-मंडलीय इंजीनियर लोक निर्माण विभाग गुरदासपुर; और उप-मंडलीय इंजीनियर लोक निर्माण विभाग गुरदासपुर।
2. **दीनानगर विधानसभा क्षेत्र (05 - आरक्षित) :** कृषि विकास अधिकारी सहायक गन्ना विकास कार्यालय गुरदासपुर; उप-मंडलीय अधिकारी जल सप्लाई व सैनिटेशन दीनानगर; उप-मंडलीय इंजीनियर (इलेक्ट्रिकल सब-डिवीजन) पीएसपीसीएल गुरदासपुर; उप-मंडलीय अधिकारी-कम-कार्यकारी इंजीनियर ड्रेनेज डिवीजन गुरदासपुर; और कार्यकारी इंजीनियर पीडब्ल्यूडी गुरदासपुर।
3. **कादियां विधानसभा क्षेत्र (06) :** कृषि विकास अधिकारी मुख्य कृषि कार्यालय गुरदासपुर; कृषि विकास अधिकारी ब्लॉक कृषि कार्यालय काहनूवान; उप-मंडलीय अधिकारी पीएसपीसीएल काहनूवान; कृषि विस्तार अधिकारी कृषि विस्तार कार्यालय धारीवाल; और कृषि विस्तार अधिकारी कृषि विस्तार कार्यालय कादियां।
4. **बटाला विधानसभा क्षेत्र (07) :** उप-मंडलीय अधिकारी उत्तरी डिवीजन पीएसपीसीएल बटाला; उप-मंडलीय अधिकारी जल सप्लाई व सैनिटेशन डिवीजन-1 बटाला; उप-मंडलीय अधिकारी कमर्शियल सब-डिवीजन पीएसपीसीएल बटाला; उप-मंडलीय अधिकारी सिटी डिवीजन पीएसपीसीएल बटाला; और कृषि विस्तार अधिकारी ब्लॉक कृषि कार्यालय बटाला।
5. **श्री हरगोबिंदपुर साहिब विधानसभा क्षेत्र (08 - आरक्षित) :** उप-मंडलीय अधिकारी वॉटर सप्लाई व सैनिटेशन बटाला; कृषि विस्तार अधिकारी ब्लॉक कृषि कार्यालय श्री हरगोबिंदपुर साहिब (दो अधिकारी); कार्यकारी अभियंता वॉटर सप्लाई व सैनिटेशन डिवीजन-1 बटाला; और कार्यकारी अभियंता वॉटर सप्लाई व सैनिटेशन डिवीजन-2 बटाला।
6. **फतेहगढ़ चूड़ियां विधानसभा क्षेत्र (09) :** कृषि विस्तार अधिकारी मुख्य कृषि कार्यालय गुरदासपुर; कृषि विस्तार अधिकारी ब्लॉक कृषि कार्यालय फतेहगढ़ चूड़ियां; कृषि विकास अधिकारी ब्लॉक कृषि कार्यालय ब्लॉक कलानौर; कृषि विकास अधिकारी ब्लॉक कृषि कार्यालय फतेहगढ़ चूड़ियां; और कृषि विकास अधिकारी ब्लॉक कृषि कार्यालय कलानौर।
7. **डेरा बाबा नानक विधानसभा क्षेत्र (10) :** ब्लॉक कृषि कार्यालय डेरा बाबा नानक के पांच अलग-अलग कृषि विस्तार अधिकारियों को इस हलके के लिए एडिशनल असिस्टेंट इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन अधिकारी नियुक्त किया गया है।

एचआरटीसी कर्मचारियों ने वापस ली हड़ताल, आज से सभी रूटों पर दौड़ेंगी बसें

सरकार-कर्मचारी संगठनों में बनी सहमति, लंबित भत्ते और मेडिकल दावे होंगे जारी

» प्रथम न्यूज । शिमला
24 जून (एएम नाथ)

हिमाचल पथ परिवहन निगम (एचआरटीसी) कर्मचारियों की प्रस्तावित हड़ताल बुधवार को सरकार और कर्मचारी संगठनों के बीच बनी सहमति के बाद समाप्त हो गई। राज्य सचिवालय में अतिरिक्त मुख्य सचिव (परिवहन) आरडी नजीम की अध्यक्षता में करीब तीन घंटे तक चली बैठक के बाद चालक-परिचालक यूनियनों ने 25 जून से प्रस्तावित चक्का जाम और हड़ताल वापस लेने की घोषणा की। इसके साथ ही वीरवार से प्रदेशभर में एचआरटीसी की बस सेवाएं सामान्य रूप से संचालित होंगी।

बैठक में एचआरटीसी प्रबंधन और कर्मचारी संगठनों के बीच कई महत्वपूर्ण मांगों पर सहमति बनी। निर्णय लिया गया कि चालक-परिचालकों का 12 माह का लंबित ओटीए और एनओए (ओवरटाइम भत्ता) शीघ्र जारी किया जाएगा। इसके अलावा 7.10 करोड़ रुपये के लंबित मेडिकल प्रतिपूर्ति दावों का भुगतान गुरुवार को कर्मचारियों के खातों में कर दिया जाएगा। यूनिफॉर्म भत्ते के लिए 1.50 करोड़ रुपये की राशि अगले दस दिनों में जारी करने तथा एक माह के भीतर नई वर्दी उपलब्ध करवाने पर भी सहमति बनी। बैठक में कर्मचारियों के वेतन का भुगतान प्रत्येक माह की पहली तारीख को सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया गया। चालक और परिचालकों की लंबित पदोन्नतियां 10 जुलाई 2026 तक पूरी करने पर भी सहमति बनी। वहीं 150 किलोमीटर से अधिक दूरी वाले रूटों पर परिचालकों के लिए बसों में फ्रंट सीट की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्णय लिया गया।

संयुक्त समन्वय समिति (जेसीसी) और चालक यूनियन के प्रधान मान सिंह ठाकुर ने कहा कि सभी मांगें पूरी नहीं हुई हैं, लेकिन कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर सकारात्मक निर्णय लिए गए हैं, जिसके चलते हड़ताल वापस लेने का फैसला किया गया।

बैठक में 4-9-14 एसीपी योजना से जुड़े मामलों को वित्त विभाग के समक्ष उठाने, मैडीपर्सन एक्ट संबंधी प्रस्ताव 15 दिनों के भीतर सरकार को भेजने तथा चालकों के विशेष भत्ते के मुद्दे को निदेशक मंडल की अगली बैठक में रखने का भी निर्णय लिया गया। बैठक में एचआरटीसी और कर्मचारी संगठनों के वरिष्ठ प्रतिनिधि मौजूद रहे।

जन्मदिवस पर एडवोकेट संजय कुमार जैन ने कराया विशाल भंडारा, 600 जरूरतमंदों को कराया भोजन

» प्रथम न्यूज । पंचकुला
24 जून (पुनीत महाजन)

समाजसेवा और मानवता की मिसाल पेश करते हुए सब की सेवा, रब की सेवा ट्रस्ट के महासचिव एवं श्याम परिवार ट्रस्ट के फाउंडर ट्रस्टी, समाजसेवी एडवोकेट संजय कुमार जैन ने अपने जन्मदिवस के पावन अवसर पर पंचकुला सेक्टर-16 स्थित अग्रसेन चौक पर विशाल भंडारे का आयोजन किया। इस अवसर पर उन्होंने सेवा, करुणा और मानवता का संदेश देते हुए जरूरतमंदों को भोजन प्रसाद वितरित किया।

एडवोकेट संजय कुमार जैन ने कहा कि जन्मदिवस जैसे शुभ अवसर पर जरूरतमंद एवं भूखे लोगों को भोजन करवाना सबसे बड़ा पुण्य कार्य है। उन्होंने बताया कि प्रातः 11:30 बजे कन्या पूजन के साथ भंडारे का शुभारंभ किया गया, जिसके उपरांत लगभग 600 राहगीरों, श्रमिक भाइयों एवं जरूरतमंद लोगों को श्रद्धापूर्वक भोजन प्रसाद वितरित किया गया।

भंडारे के आयोजन में राकेश बिहारी गुप्ता, दीपक बंसल, दिनेश गुप्ता सहित सब की सेवा, रब की सेवा ट्रस्ट के सेवादारों एवं एडवोकेट संजय कुमार जैन के परिवारजनों ने सक्रिय सहयोग दिया। सभी ने मिलकर पूरी श्रद्धा एवं समर्पण भावना के साथ सेवा कार्य को सफलतापूर्वक संपन्न कराया।

इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों, मित्रों एवं शुभचिंतकों ने एडवोकेट संजय कुमार जैन को पुष्पगुच्छ भेंट कर एवं केक कटवाकर जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। सभी ने उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं समाजसेवा के क्षेत्र में निरंतर योगदान के लिए मंगलकामनाएं व्यक्त कीं।

कार्यक्रम के दौरान सेवा, सहयोग और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना का सुंदर उदाहरण देखने को मिला। उपस्थित लोगों ने ऐसे आयोजनों को समाज में सकारात्मक संदेश देने वाला बताते हुए इसकी सराहना की।

प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों को सरकारी कॉलेजों के बराबर फीस लेने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता: सुप्रीम कोर्ट

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली

24 जून (ब्यूरो)

देश के प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों की मनमानी फीस और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS) के लिए तय 8 लाख रुपये की आय सीमा के बीच के विरोधाभास को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने अपना अहम फैसला सुनाया है। सर्वोच्च अदालत ने इस मामले में दायर याचिका को खारिज करते हुए स्पष्ट कर दिया है कि प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों को सरकारी कॉलेजों के बराबर फीस लेने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। कोर्ट की इस सख्त टिप्पणी से उन छात्रों को बड़ा झटका लगा है, जो महंगी फीस के कारण प्राइवेट कॉलेजों में एडमिशन लेने से वंचित रह जाते हैं।

'प्राइवेट और सरकारी संस्थानों की तुलना संभव नहीं'

सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए कई महत्वपूर्ण टिप्पणियां कीं। पीठ ने स्पष्ट किया कि सरकारी संस्थानों को चलाने के लिए सरकार से भारी अनुदान मिलता है, जबकि प्राइवेट कॉलेज पूरी तरह से छात्रों से मिलने वाली फीस पर निर्भर होते हैं। अदालत ने कहा कि केवल इसलिए कि प्राइवेट कॉलेजों की फीस अधिक है, उन्हें सरकारी फीस ढांचे को लागू करने का आदेश नहीं दिया जा सकता। जजों ने इस बात पर जोर दिया कि देश को अधिक डॉक्टरों की सख्त जरूरत है और प्राइवेट मेडिकल कॉलेज इसमें अहम भूमिका निभाते हैं। यदि उन्हें पर्याप्त फीस लेने से रोका गया, तो चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में उनका योगदान बुरी

तरह प्रभावित होगा।

याचिका में उठाया गया था आय सीमा और महंगी फीस का मुद्दा

यह याचिका राजस्थान के रहने वाले हर्षवर्धन सिंह द्वारा दायर की गई थी। याचिकाकर्ता ने कोर्ट के सामने अपना तर्क रखते हुए कहा था कि सरकार ने EWS कोटे के लिए 8 लाख रुपये की वार्षिक आय सीमा तय की है, जिसका व्यावहारिक रूप से अब कोई मतलब नहीं रह गया है। इसके पीछे की वजह बताते हुए उन्होंने कहा कि प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों की फीस प्रति वर्ष 18.9 लाख रुपये से लेकर 25 लाख रुपये तक पहुंच गई है। ऐसे में जो छात्र 8 लाख की आय सीमा वाले EWS श्रेणी के तहत आते हैं, वे चाहकर भी इस महंगी मेडिकल शिक्षा का खर्च नहीं उठा सकते। हालांकि, जस्टिस नागरत्ना ने इस तर्क पर कहा कि स्व-वित्तपोषित प्राइवेट संस्थानों को सरकारी नजरिए से नहीं देखा जा सकता।

गरीब छात्रों के लिए मौजूद हैं स्कॉलरशिप के विकल्प

सुनवाई के दौरान अदालत ने गरीब और मेधावी छात्रों के भविष्य को लेकर भी बात की। जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि यदि कोई छात्र प्राइवेट कॉलेज की भारी-भरकम फीस वहन नहीं कर सकता है, तो उसके लिए स्कॉलरशिप, सबवेंशन या अन्य वित्तीय सहायता के कई विकल्प मौजूद हैं, जिनका लाभ उठाया जा सकता है।

इससे पहले राजस्थान हाईकोर्ट भी प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों की मौजूदा फीस संरचना को वैध करार दे चुका है, क्योंकि इसे राज्य की फीस नियामक समिति द्वारा सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों के तहत ही तय किया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के इस फैसले में दखल देने से साफ इनकार कर दिया, लेकिन भविष्य के लिए इस मामले से जुड़े किसी भी व्यापक कानूनी प्रश्न को विचार के लिए खुला रखा है।

संक्षिप्त न्यूज

केरल में शिगेला संक्रमण के 15 नए मामले, जून में संक्रमितों की संख्या 165 पहुंची

शिगेला और निपाह को लेकर अलर्ट, केरल में स्वास्थ्य विभाग की सघन निगरानी जारी

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)– केरल में शिगेला संक्रमण के मामलों में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार बुधवार को राज्य के पांच जिलों से शिगेला संक्रमण के 15 नए मामले सामने आए हैं, जिसके बाद जून महीने में कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 165 हो गई है। इस दौरान संक्रमण से मरने वालों का आंकड़ा भी छह तक पहुंच गया है। वर्ष 2026 की शुरुआत से अब तक राज्य में शिगेला संक्रमण के कुल 241 मामलों की पुष्टि हो चुकी है।

नए मामलों में सबसे अधिक आठ मामले कोझिकोड जिले से सामने आए हैं। इसके अलावा मलप्पुरम में तीन, वायनाड में दो तथा कन्नूर और कोल्लम में एक-एक मरीज की पुष्टि हुई है। जून माह में कोझिकोड, मलप्पुरम और वायनाड शिगेला संक्रमण से सबसे अधिक प्रभावित जिले बने हुए हैं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार कोझिकोड में 57, मलप्पुरम में 24, वायनाड में 22, तिरुवनंतपुरम में 17, त्रिशूर में 12, कन्नूर में 11 और कोल्लम में 10 मामले दर्ज किए गए हैं। वहीं अलाप्पुझा, इडुक्की, एर्नाकुलम और पलक्कड़ में भी संक्रमण के मामले सामने आए हैं।

इस बीच राज्य में निपाह वायरस को लेकर भी स्वास्थ्य विभाग सतर्क है। निपाह निगरानी अभियान के तहत कम जोखिम श्रेणी में रखे गए 11 लोगों को अनिवार्य 21 दिनों की निगरानी अवधि पूरी करने के बाद छुट्टी दे दी गई है। अधिकारियों के अनुसार संक्रमित मरीज के संपर्क में आए किसी अन्य व्यक्ति को अस्पताल में भर्ती करने की आवश्यकता नहीं पड़ी है। वर्तमान में अत्यधिक जोखिम वाली श्रेणी के चार और उच्च जोखिम वाली श्रेणी के 14 लोग क्वारंटाइन में हैं, जबकि कम जोखिम वाले 75 लोगों की निगरानी की जा रही है। निपाह का एकमात्र मरीज कोझिकोड मेडिकल कॉलेज अस्पताल में वेंटिलेटर सपोर्ट पर उपचाराधीन है। स्वास्थ्य विभाग ने प्रभावित क्षेत्रों में निगरानी बढ़ा दी है और लोगों से सतर्कता बरतने तथा स्वास्थ्य संबंधी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

एचआरटीसी कर्मचारियों पर एस्मा लगाना अधिकारों का दमन : डॉ. मामराज पुंडीर

शिमला (एएम नाथ)– अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ हिमाचल प्रदेश के पूर्व प्रांत महामंत्री डॉ. मामराज पुंडीर ने हिमाचल पथ परिवहन निगम (एचआरटीसी) कर्मचारियों पर अनिवार्य सेवा अनुरक्षण अधिनियम (एस्मा) लागू किए जाने की कड़ी आलोचना करते हुए इसे

कर्मचारियों के लोकतांत्रिक और संवैधानिक अधिकारों का दमन बताया है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की वर्षों से लंबित वित्तीय मांगों को दबाने के लिए ऐसे कठोर कानून का प्रयोग उचित नहीं है।

डॉ. पुंडीर ने जारी बयान में कहा कि एस्मा का उपयोग सामान्यत: आपातकालीन या गंभीर परिस्थितियों में आवश्यक सेवाओं को बनाए रखने के लिए किया जाता है। लेकिन कर्मचारियों के वैधानिक देयों और वित्तीय अधिकारों की मांग को रोकने के लिए इस कानून का सहारा लेना संविधान की मूल भावना और लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है। उन्होंने कहा कि सरकार को कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान खोजने के बजाय दमनात्मक कदम नहीं उठाने चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार कर्मचारियों और पेंशनरों की लंबित समस्याओं को हल करने में विफल रही है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में कर्मचारियों की आवाज सुनना और उनकी जायज मांगों का समयबद्ध समाधान करना सरकार की जिम्मेदारी है। यदि परिवहन सेवाओं को अनिवार्य माना जाता है तो उन सेवाओं को संचालित करने वाले कर्मचारियों के अधिकारों और उनके मेहनत से अर्जित धन को भी समान महत्व दिया जाना चाहिए। डॉ. पुंडीर ने कहा कि एचआरटीसी कर्मचारियों से संबंधित मामलों में न्यायालयों द्वारा दिए गए निर्देशों का सम्मान किया जाना चाहिए तथा कर्मचारियों के लंबित वित्तीय देयों का शीघ्र भुगतान सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने सरकार से संवाद, संवेदनशीलता और सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने का आग्रह करते हुए कहा कि कर्मचारियों के अधिकारों की रक्षा करना सरकार का संवैधानिक दायित्व है। साथ ही उन्होंने प्रदेश सरकार से कर्मचारियों के बकाया वित्तीय लाभ जल्द जारी करने और लोकतांत्रिक मर्यादाओं का सम्मान करने की मांग की।

भरत तिवारी के लिए महापंचायत: भोजपुर के बिलौटी में उमड़े हजारों लोग; प्रशांत किशोर भी पहुंचे

» प्रथम न्यूज । आरा

24जून (ब्यूरो)

भोजपुर के चर्चित भरत तिवारी एनकाउंटर मामले को लेकर रविवार को शाहपुर प्रखंड के बिलौटी गांव में आयोजित महापंचायत राजनीतिक और सामाजिक रूप से बड़ा केंद्र बनती जा रही है। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए सुबह से ही दूर-दूर से लोगों का पहुंचना शुरू हो गया। गांव और आसपास के इलाकों में भरत तिवारी के पोस्टर-बैनर लगाए गए हैं, जबकि कई लोग तिरंगा लेकर और नारेबाजी करते पहुंच रहे हैं। महापंचायत को लेकर सबसे अधिक उत्साह युवाओं में देखने को मिल रहा है। आयोजन स्थल पर अब तक पांच हजार से अधिक लोगों के पहुंचने का दावा किया जा रहा है। बड़ी संख्या में किशोर और युवा वर्ग के लोग न्याय की मांग को लेकर एकजुट नजर आए। इसी बीच जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर भी महापंचायत में बिलौटी गांव पहुंच गए। उनके कार्यक्रम स्थल पर पहुंचते ही भीड़ में हलचल बढ़ गई और समर्थकों का उत्साह चरम पर पहुंच गया। अब सभी की निगाहें उनके संबोधन और आगे की रणनीति पर टिकी हैं।

कई राज्यों से लोगों के पहुंचने का दावा

आयोजन समिति के अनुसार, भोजपुर जिले के शाहपुर दियारांचल क्षेत्र से सबसे अधिक लोग सैकड़ों वाहनों के काफिले के साथ पहुंचे हैं। इसके अलावा उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, झारखंड, पश्चिम बंगाल, दिल्ली, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना समेत कई राज्यों से भी लोगों के आने की सूचना है। आयोजकों का दावा है कि महापंचायत में हजारों लोग शामिल हो सकते हैं। कार्यक्रम को लेकर पूरे इलाके में विशेष हलचल देखी जा रही है।

न्याय की मांग को लेकर एकजुट हुए युवा: महापंचायत में पहुंचे युवाओं ने कहा कि उनका उद्देश्य भरत तिवारी को श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ-साथ उनके स्वजन को न्याय दिलाना है। उनका कहना है कि जब तक मामले की निष्पक्ष जांच नहीं होती और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित नहीं होती, तब तक आंदोलन विभिन्न चरणों में जारी रहेगा। युवाओं ने एक स्वर में कहा कि यह सिर्फ एक व्यक्ति का मामला नहीं, बल्कि न्याय और व्यवस्था में लोगों के विश्वास से जुड़ा प्रश्न है। इसलिए इस लड़ाई को व्यापक जनसमर्थन मिल रहा है।

विभिन्न संगठनों की मौजूदगी पर नजर: महापंचायत में करणी सेना, परशुराम महासभा, हिंदू महासभा, ब्राह्मण महासभा और हिंदू जागरण मंच सहित विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों के शामिल होने की चर्चा है। बिलौटी गांव में बक्सर-आरा फोरलेन के समीप स्थित एक बड़े बगीचे को कार्यक्रम स्थल के रूप में तैयार किया गया है। यहां विशाल पंडाल, मंच, पेयजल, भोजन और वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था की गई है। संभावित भीड़ को देखते हुए स्वयंसेवकों की अलग-अलग टीमें व्यवस्था संभालने में जुटी हुई हैं। आयोजन समिति का अनुमान है कि कार्यक्रम में पांच से दस हजार से अधिक लोगों की उपस्थिति हो सकती है। भरत तिवारी एनकाउंटर मामले को लेकर बढ़ती जनभागीदारी ने इस महापंचायत को प्रदेश की चर्चित राजनीतिक-सामाजिक घटनाओं में शामिल कर दिया है।

कलयुगी पिता की हैवानियत, पत्नी और 3 मासूम बच्चों को नहर में फेंका, तीनों की दर्दनाक मौत

» प्रथम न्यूज । पटना

24 जून (ब्यूरो)

बिहार के पश्चिम चंपारण जिले में मानवता को झकझोर देने वाली एक दर्दनाक घटना सामने आई है। कुमारबाग थाना क्षेत्र के भंगहा गांव निवासी एक व्यक्ति पर अपनी पत्नी और तीन मासूम बच्चों को नहर में फेंकने का आरोप लगा है। इस घटना में तीनों बच्चों की डूबने से मौत हो गई, जबकि पत्नी ने किसी तरह तैरकर अपनी जान बचा ली। घटना के बाद पूरे इलाके में शोक और आक्रोश का माहौल है।

जानकारी के अनुसार, भंगहा गांव निवासी लोरिक यादव के पुत्र रामबाबू यादव का सोमवार रात अपनी पत्नी ललिता देवी से किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। बताया जाता है कि मंगलवार तड़के करीब तीन बजे रामबाबू अपनी पत्नी और तीनों बच्चों को बाइक पर बैठाकर घर से निकला। उसने पत्नी से कहा कि वह उसे उसके मायके, मझौलिया थाना क्षेत्र के बिरवा गांव छोड़ने जा रहा है।

आरोप है कि लोहियारिया चौक से आगे छवरहिया गांव के समीप बरोहिया नहर पहुंचने पर रामबाबू ने पहले अपनी पत्नी को नहर में धक्का दे दिया। इसके बाद उसने एक-एक कर तीनों बच्चों को भी बहती नहर में फेंक दिया।

ललिता देवी किसी तरह तैरकर बाहर निकलने में सफल रहीं और मायके पहुंचकर परिजनों को पूरी घटना की जानकारी दी।

मंगलवार सुबह नहर में एक बच्ची का शव तैरता देख ग्रामीणों ने उसे बाहर निकाला और पुलिस को सूचना दी। पहचान नहीं होने के कारण पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जीएमसीएच भेज दिया। इसी दौरान दोपहर बाद नहर से दो अन्य बच्चों के शव भी बरामद होने से इलाके में हड़कंप मच गया। बताया जाता है कि दो शव ग्रामीणों की मदद से निकाले गए, जबकि एक शव पुलिस ने बरामद किया। बाद में तीनों मृत बच्चों की पहचान रामबाबू यादव के पुत्र-पुत्रियों के रूप में हुई। घटना के बाद आरोपी को उसके ससुराल पक्ष के लोगों द्वारा पकड़कर रखे जाने की सूचना है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और परिजनों समेत अन्य लोगों से पूछताछ कर रही है। एक ही परिवार के तीन मासूम बच्चों की मौत से गांव में मातम पसरा हुआ है। वहीं, आरोपी पिता के प्रति लोगों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। पुलिस का कहना है कि मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है और जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

शिमला में एक महीने से लापता व्यक्ति का देवदार के पेड़ से लटका मिला शव, परिवार ने शरीर की बनावट व कपड़ों से की शिनाख्त

» प्रथम न्यूज । शिमला

24 जून (ब्यूरो)

जिला शिमला के सुन्नी क्षेत्र में करीब एक महीने से लापता 48 वर्षीय व्यक्ति का शव जंगल में एक पेड़ से लटका मिला है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और शव का पोस्टमार्टम करवाया जा रहा है। पुलिस को 23 जून को सूचना मिली थी कि बड़मैन धार के जंगल में एक व्यक्ति पेड़ से लटका दिख रहा है। इस पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची।

जंगल के ढांक वाले क्षेत्र में एक देवदार के पेड़ की टहनी से पीली और लाल रंग की रस्सी के सहारे एक शव लटका हुआ मिला, जो काफी हद तक सड़-गल चुका था।

पुलिस ने मौके पर शव का निरीक्षण किया। रस्सी, कपड़ों और शारीरिक बनावट के आधार पर आशंका जताई गई कि यह शव प्रेम प्रकाश का हो सकता है, जिसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट 21 मई 2026 को पुलिस थाना सुन्नी में दर्ज करवाई गई थी।

परिवार ने की पहचान: बाद में मृतक के पिता नील चंद, भाई इंद्र और अन्य परिजनों और गांव के लोगों ने शव की पहचान प्रेम प्रकाश पुत्र नील चंद, निवासी गांव जुब्बड़, डाकघर दुर्गापुर, तहसील सुन्नी, जिला शिमला के रूप में की। पहचान की प्रक्रिया पूरी होने के बाद पुलिस ने स्वजन की मौजूदगी में शव को पेड़ से नीचे उतारा। शव की स्थिति को देखते हुए पुलिस का कहना है कि मौत लगभग एक माह पहले हुई प्रतीत होती है। इसके बाद शव को सुन्नी नागरिक अस्पताल लाया गया, जहां पोस्टमार्टम के लिए शवगृह में रखा गया।

नहीं जताई कोई आशंका

पुलिस का कहना है कि मौके पर मौजूद परिजनों और अन्य लोगों ने मृतक की मौत को लेकर किसी प्रकार का संदेह व्यक्त नहीं किया है। प्रारंभिक जांच में मामला फंदा लगाकर आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। हालांकि मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी।

मेयर सौरभ जोशी ई-रिक्शा से पहुंचे नगर निगम कार्यालय, हरित परिवहन को दिया बढ़ावा

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

24 जून (पुनीत महाजन)

पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए चंडीगढ़ के मेयर सौरभ जोशी आज नगर निगम कार्यालय ई-रिक्शा से पहुंचे। इस पहल के माध्यम से उन्होंने शहरवासियों को पर्यावरण अनुकूल परिवहन साधनों को अपनाने का संदेश दिया।

इस अवसर पर मेयर सौरभ जोशी ने कहा कि वायु प्रदूषण को कम करने, ऊर्जा संरक्षण को बढ़ावा देने तथा स्वच्छ और स्वस्थ शहरी वातावरण के निर्माण के लिए हरित परिवहन को अपनाना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ आम नागरिकों को भी पर्यावरण संरक्षण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाते हुए टिकाऊ एवं पर्यावरण-अनुकूल परिवहन साधनों का अधिकाधिक उपयोग करना चाहिए। मेयर ने कहा कि ई-रिक्शा एक किफायती, ऊर्जा दक्ष और पर्यावरण हितैषी परिवहन माध्यम है, जो शहर के कार्बन उत्सर्जन को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे हरित परिवहन पहलों का समर्थन करें और अपने दैनिक जीवन में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार विकल्पों को अपनाएं।

उन्होंने कहा कि नगर निगम चंडीगढ़ सतत विकास और पर्यावरण संरक्षण के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। चंडीगढ़ हमेशा से पर्यावरण संरक्षण और नागरिक हितों से जुड़े नवाचारों में अग्रणी रहा है तथा भविष्य में भी शहर को अधिक स्वच्छ, हरित और रहने योग्य बनाने के लिए प्रयास जारी रहेंगे।

मेयर सौरभ जोशी की यह पहल समाज को यह संदेश देती है कि स्वच्छ और हरित चंडीगढ़ के निर्माण में प्रत्येक नागरिक की महत्वपूर्ण भूमिका है। सामूहिक प्रयासों से ही आने वाली पीढ़ियों के लिए एक बेहतर, स्वच्छ और टिकाऊ शहर का निर्माण किया जा सकता है।

एमएसपी बढ़ाना किसानों की आय दोगुनी करने की सरकार की प्रतिबद्धता : डा. गणेश दत्त

एमएसपी बढ़ोतरी के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जताया आभार

» प्रथम न्यूज । लाडवा

24 जून (बृज मोहन)

मार्केट कमेटी चेयरमैन डा. गणेश दत्त ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा विपणन सीजन 2026-27 के लिए सभी अधिसूचित खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में बढ़ोतरी करके किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में फैसला लिया है। यह निर्णय किसानों की आय दोगुनी करने की सरकार की प्रतिबद्धता को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। चेयरमैन डा. गणेश दत्त ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार व्यक्त किया है।

चेयरमैन डा. गणेश दत्त ने कहा कि पिछले कई वर्षों से केंद्र सरकार रबी और खरीफ दोनों फसलों के लिए बुवाई सीजन शुरू होने से पहले ही न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित कर रही है। सरकार के इस कदम से किसानों को अधिक लाभकारी फसल की बुवाई का विकल्प मिल रहा है। चेयरमैन डा. गणेश दत्त ने कहा कि धान (कॉमन) का एमएसपी मौजूदा 2369 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 2441 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है, जबकि ए-ग्रेड धान का एमएसपी 2389 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 2461 रुपये प्रति क्विंटल किया गया है। इसी प्रकार मूंग दाल का एमएसपी 8768 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 8780 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि बाजरा का एमएसपी 2775 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 2900 रुपये प्रति क्विंटल किया गया है। रागी का एमएसपी 4886 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 5205 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है।

चेयरमैन डा. गणेश दत्त ने कहा कि मक्का का एमएसपी 2400 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 2410 रुपये प्रति क्विंटल किया गया है। अरहर/तूर का एमएसपी 8000 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 8450 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है। ज्वार हाइब्रिड का एमएसपी 3699 रुपये से बढ़ाकर 4023 रुपये तथा ज्वार मालदांडी का एमएसपी 3749 रुपये से बढ़ाकर 4073 रुपये किया गया है। उड़द का एमएसपी 7800 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 8200 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है।

उन्होंने कहा कि मूंगफली का एमएसपी 7263 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 7517 रुपये प्रति क्विंटल किया गया है। सूरजमुखी बीज का एमएसपी 7721 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 8343 रुपये प्रति क्विंटल किया गया है। सोयाबीन का एमएसपी 5328 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 5708 रुपये प्रति क्विंटल किया गया है। तिल का एमएसपी 9846 रुपये से बढ़ाकर 10346 रुपये तथा निगरसीड (रामतिल) का एमएसपी 9537 रुपये से बढ़ाकर 10052 रुपये किया गया है। इसी प्रकार कपास (मीडियम स्टेपल) का एमएसपी 7710 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 8267 रुपये प्रति क्विंटल तथा कपास (लॉन्ग स्टेपल) का एमएसपी 8110 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 8667 रुपये प्रति क्विंटल किया गया है।

प्रथम न्यूज के लिए संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक विवेक धीर द्वारा मकान नंबर 143-ए, आदर्श नगर, जालंधर (पंजाब) से प्रकाशित एवं न्यू दशमेश प्रिंटर्ज 178-179 रणजीत नगर, जालंधर (पंजाब) से मुद्रित। फोन : 7973508344 । सभी विचारों का न्यायाधिकार क्षेत्र जालंधर होगा। R.N.I. Regd. NO. PUNHIN/ 2010/36540